शब्दों की तलवार चलाने से पहले, ध्यान से देखो सामने कौन है? -महास्थविर शांति मुनि

जयपुर ■ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 13 | अंक : 121 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत **व्यापार एवं विकास की आवाज** मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 दैनिक | www.businessremedies.com

जयपुर | गुरूवार 14 मई, 2026

समाचार पत्र की प्रति प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें: 9462549061

Bazaar

Index/Commodity	LTP	Change (Points)
BSE Sensex	74,608.98	+49.73
NSE Nifty	23,412.60	+33.05
Gold (IBJA,Rs./10gm)	1,60,977	+9345
Silver (IBJA,Rs./kg)	2,87,720	+22853
US Dollar(in Rs.)	95.63	+0.058
Bitcoin($)	79,234	-1097
GIFT NIFTY	23,472	+49

Rates as of 7.00 pm on 13 May 2026

Movement in BSE Shares

Top Gainers

Security Name	LTP	% CHANGE
SAIL	201.6	14.55
TEXRAIL	120.2	13.88
DIXON	11,124.95	9.73
PREMEXPLN	541.55	8.48
MTARTECH	6,749.15	7.98
EMBDL	73.48	7.92
GRWRHITECH	5,310.65	7.85
IDEA	12.82	7.82

Top Losers

NIITMTS	245	-10.09
TORNTPOWER	1,458.15	-8.73
SKYGOLD	440.95	-7.24
ECLERX	1,532.00	-6.41
ACI	559.3	-6.3
COHANCE	457.15	-5.89
KRN	1,140.90	-5.88
KIRLOSBROS	1,583.35	-5.88

भारत ने किए 22.8 अरब डॉलर के सौदे

सरकार ने 220 सौदों को दी मंजूरी | **भू-राजनीतिक तनाव के बीच हुए हैं यह सौदे** | **बीते अप्रैल माह में हुए हैं ये सौदे**

नई दिल्ली | बीआर न्यूज नेटवर्क
businessremedies.com

वैश्विक और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत ने अप्रैल में 22.8 अरब डॉलर के 220 सौदों को मंजूरी दी है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई है। ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि महीने के दौरान हुए पांच अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले बड़े सौदों ने कुल 17.4 अरब डॉलर का योगदान दिया, जो कुल डील वैल्यू का करीब 80 प्रतिशत है।

18.7 अरब डॉलर के 103 सौदे

रिपोर्ट में कहा गया कि मर्जर एंड एक्विजिशन (एमएंडए) गतिविधियां कुल डील वैल्यू की सबसे बड़ी वजह रहीं। अप्रैल में 18.7 अरब डॉलर मूल्य के 103 एमएंडए सौदे दर्ज किए गए, जो मई 2022 के बाद सबसे अधिक मासिक एमएंडए वैल्यू है। महीने-दर-महीने आधार पर एमएंडए सौदों का मूल्य करीब 1000 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डील वॉल्यूम में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

21 आउटबाउंड ट्रांसजेक्शन हुए

वहीं, आउटबाउंड गतिविधियां डील मार्केट में सबसे प्रभावशाली रहीं। इस दौरान 17.7 अरब डॉलर मूल्य के 21 आउटबाउंड ट्रांजेक्शन हुए। प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेश के मामले में भी बाजार में चुनिंदा, लेकिन मजबूत वृद्धि देखने को मिली। अप्रैल में 3.2 अरब डॉलर मूल्य के 109 सौदों की घोषणा की गई। हालांकि, पीई डील की मात्रा (वॉल्यूम) घटकर साल के सबसे निचले मासिक स्तर पर आ गई, जबकि डील मूल्य (वैल्यू) इस साल अब तक के दूसरे सबसे उच्च स्तर पर बने रहे, जो कम, लेकिन बड़े लेन-देन की ओर बदलाव का संकेत देता है।

आईपीओ के जरिये जुटाए 450 मिलियन डॉलर

इसके अलावा, सार्वजनिक पूंजी बाजार भी महीने के दौरान सक्रिय रहे। अप्रैल में 6 आईपीओ के जरिए 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए, जबकि दो क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) से 548 मिलियन डॉलर जुटाए गए।

डील मार्केट का भारत में मजबूत प्रदर्शन

ग्रांट थॉर्नटन भारत की शांति विजेता के अनुसार, भारत के डील मार्केट ने अप्रैल में मजबूत प्रदर्शन किया और बड़े आउटबाउंड सौदों की वापसी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए वैश्विक अधिग्रहण उनकी बढ़ती रणनीतिक महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं, जबकि आईपीओ और क्यूआईपी में लगातार सक्रियता भारत के मजबूत पूंजी बाजार तंत्र को दिखाती है। सेक्टर के हिसाब से फार्मास्युटिकल सेक्टर डील वैल्यू के मामले में सबसे आगे रहा। वहीं, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी बड़े सौदों के जरिए मजबूत गतिविधियां देखने को मिलीं।

रिटेल और कंज्यूमर सेक्टर सबसे सक्रिय

रिपोर्ट के अनुसार, रिटेल एवं कंज्यूमर और आईटी वं आईटीईएस सेक्टर डील मात्रा के लिहाज से सबसे सक्रिय क्षेत्र रहे। वहीं, रियल एस्टेट सेक्टर पहली बार एमएंडए वॉल्यूम के मामले में सबसे सक्रिय सेक्टर बनकर उभरा और ऊर्जा व प्राकृतिक संसाधन सेक्टर के साथ संयुक्त रूप से 16-16 सौदों के साथ शीर्ष पर रहा।

विदेशी मुद्रा दबाव कम करने के लिए सरकार ने सोना, चांदी आयात शुल्क बढ़ाकर 15 फीसदी किया

नई दिल्ली | एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और बाहरी खाते पर बढ़ते दबाव को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सरकार ने बुधवार को सोना और चांदी पर सीमा शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने की घोषणा की। इसके अलावा, प्लैटिनम आयात पर संशोधित शुल्क 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 15.4 फीसदी कर दिया गया है।

आधिकारिक बदलावों के अनुसार, नई संरचना के तहत सोना और चांदी के आयात पर 10 फीसदी मूल सीमा शुल्क के साथ 5 फीसदी कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया गया है, जिससे प्रभावी आयात कर 15 फीसदी हो गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत का आयात व्यय ऊंचा बना हुआ है और कीमती धातुएं विदेशी मुद्रा के अधिक बहिर्वाह में प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल हैं। शुल्क वृद्धि से आयात खेपों को हतोत्साहित करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने और पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी वैश्विक अनिश्चितता के बीच विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए मितव्ययिता अपनाने की अपील की थी। भारत दुनिया में सोने के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में शामिल है, जहां मांग मुख्य रूप से आभूषण, निवेश और त्योहारों से जुड़ी खरीदारी से प्रेरित होती है। इस बीच, अप्रैल में सोना विनिमय कारोबार निधियों में निवेश प्रवाह बढ़ा, जो अधिक आयात लागत के बावजूद पीली धातु में निवेशकों की निरंतर रुचि को दर्शाता है।

टोयोटा हाइब्रिड इलेक्ट्रिक एडवांटेज का अनुभव करें

TOYOTA

ज्यादा माइलेज | ज्यादा बचत | चार्जिंग की जरूरत नहीं

पैरामीटर	हाइब्रिड	टिप्पणियाँ
माइलेज	अधिक	अपने वर्ग में सर्वश्रेष्ठ
रनिंग कॉस्ट	कम	अधिक बचत
मेंटेनेंस कॉस्ट	कम	बजट में राहत
उत्सर्जन	कम	पर्यावरण के अनुकूल

HYBRID MILEAGE 27.97 km/l*

SCAN TO KNOW MORE

AERO EDITION

आकर्षक लाभ और एक्सचेंज ऑफर्स उपलब्ध*

SELF-CHARGING HYBRID BATTERY WARRANTY 8 YEARS
Applicable only for Hybrid variants.

URBAN CRUISER HYRYDER

ADVANCED. HYBRID. Awesome

Awesome TOYOTA CARS

LAND CRUISER 300 | VELLFIRE | CAMRY | LEGENDER | FORTUNER | HILUX | INNOVA HYCROSS | INNOVA CRYSTA | RUMION | URBAN CRUISER TAISOR | GLANZA

TALK TO TOYOTA FOR ENQUIRIES & FEEDBACK CONTACT TOLL FREE NO.: 1800-309-0001 DIRECT NO.: +91-80-4505-9000

Toyota Mobility Service: Individual Subscription, Corporate Leasing

i-CONNECT

TOYOTA FINANCIAL SERVICES

TASSIST ROADSIDE ASSISTANCE 24X7

TSECURE PROMISE UNMATCHED

TOYOTA U TRUST Buy | Sell | Exchange - Used car

TCARE Anytime TOGETHER

TGLOSS CAR DETAILING STUDIO

RAJASTHAN: Jaipur: Om Toyota (VKI Area) Ph: 9001891993, 9257055568; Om Toyota (M.I. Road) Ph: 9829777720, 9636488882; Rajesh Toyota (Tonk Road) Ph: 9119199900, 9119199911; Sonak Toyota (Ajmer Road, DCM) Ph: 9057624777, 1800 121 0433; Abu Road: Mayank Toyota: (BMS Nakoda Pipe Industries) Ph: 7231828888, 7665412345; Ajmer: Om Toyota (Jaipur - Ajmer Highway) Ph: 9636166663, 9799911332; Bhilwara: Rajendra Toyota (Biliya Pur Road) Ph: 7311148515, 7311148501; Hanumangarh: Sonak Toyota (Junction Town Road) Ph: 96720786-12/13/15; Jaisalmer : Mayank Toyota (Barmer-Jodhpur Link Road) Ph: 7231828888, 7665412345; Jalore: Mayank Toyota: (Bhinmal-Jalore Road) Ph: 7231828888, 7665412345; Jodhpur: Mayank Toyota (Alcobex Road) Ph: 7231828888, 7665412345; Kota: Om Toyota (Jhalwar Road, Anantpura) Ph: 9116133154, 9001891986; Pali: Mayank Toyota: (Jodhpur Road, Punayata) Ph: 7231828888, 7665412345; Phalodi: Mayank Toyota: (Industrial Area, Jodhpur Road) Ph: 7231828888, 7665412345; Rajsamand: Rajendra Toyota (Village Kalla Kehri, Nathdwara) Ph: 7311148515, 7311148501, 7311148505; Sikar: Om Toyota (Bus Stand Gokulpura) Ph: 9636422221, 9257055545; Sri Ganganagar: Sonak Toyota (Hanumangarh Bypass) Ph: 0154-2970777, 96720786-13/15/17; Udaipur: Rajendra Toyota (RIICO Industrial Area) Ph: 7311148515, 7311148501, 7311148505

TSPARSH NEW & USED CAR TOUCH POINT

Mayank Toyota: Balotra: Ph: 7231828888; **Barmer:** Ph: 7231828888; **Bhinmal:** Ph: 7231828888; **Bilara:** Ph: 7231828888; **Sanchore:** Ph: 7231828888; **Sirohi:** Ph: 7231828888; **Sumerpur:** Ph: 7231828888; **Om Toyota: Baran:** 9799986634; **Bundi:** 9257055548; **Dholpur:** 9799925040; **Gangapur City:** 9257055569; **Jhalawar:** 9116199909; **Kekri:** 9636166663, 9799911332; **Kishan Garh:** 9636166663, 9799911332; **Sawaimadhopur:** 9116133154; **Tonk:** 9257055564; **Rajendra Toyota: Banswara:** Ph: 7311148515; **Chittorgarh:** Ph: 7311148515; **Dungarpur:** Ph: 7311148515; **Gulabpura:** Ph: 6389022816; **Pratapgarh:** Ph: 7311148515; **Sagwara:** Ph: 7311148515; **Rajesh Toyota: Chomu:** Ph: 9119199923; **Dausa:** Ph: 9799947578; **Kotputli:** Ph: 8905985707; **Sonak Toyota: Dudu:** Ph: 9057628777; **Nohar:** Ph: 9672078624/12; **Surathgarh:** Ph: 9672078616/15

*Terms & conditions apply on all schemes & offers. Offer valid till 31st May 2026. The Aero Edition kit is an accessory package to be fitted by authorized dealers based on customer preference and at additional cost. Fuel efficiency as certified by Test Agency under rule 115 of CMVR, 1989 under standard test conditions. Actual mileage on road may vary. Finance at the sole discretion of Financier. Scheme inclusive of Exchange and Corporate/Government/Exclusive Community/Extended Warranty/Other Benefits. Scheme applicable on select stocks & variants. Exchange Benefits applicable at U Trust locations only. Creative visualization. Digitally created visual. Picture of vehicle was not taken while driving. Accessories shown may not be part of standard equipment.

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 13 | अंक: 121

सम्पादकीय

बढ़ती खुदरा महंगाई दर से गड़बड़ाया रसोई का बजट

भारत में अप्रैल महीने में बढ़ती खुदरा महंगाई दर ने रसोई का बजट गड़बड़ा दिया है। महंगाई के कारण लोगों का बाहर खाना-पीना कम हो गया है, क्योंकि कॉमशियल गैस की कीमतों में भारी उछाल आ गया है। रेस्टोरेंट वालों ने खाने की दरों में भी इजाफा कर दिया है। अप्रैल माह में खुदरा दरें बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई, जो मार्च के 3.40 फीसदी से अधिक है। हालांकि यह अभी भी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 4 फीसदी लक्ष्य के भीतर है, लेकिन लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी ने चिंता बढ़ाई है। महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाने-पीने की चीजों की महंगाई है। फूड इन्फ्लेशन मार्च के 3.87 फीसदी से बढ़कर अप्रैल में 4.20 फीसदी हो गया। टमाटर की कीमतों में 35 फीसदी से अधिक उछाल आया है। हालांकि आलू और प्याज के दाम घटे हैं, लेकिन बाकी सब्जियों और रोजमर्रा की वस्तुओं ने कुल महंगाई बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में तनाव और ईरान-संबंधित भू-राजनीतिक संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें बढ़ीं हैं। भारत तेल आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए परिवहन लागत बढ़ने की आशंका बनी हुई है। वहीं अल-नीनो और कमजोर मानसून की आशंका से कृषि उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इससे दाल, सब्जियां, खाद्यान्न और महंगे हो सकते हैं।

ग्रामीण आय और सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। शादी सीजन और वैश्विक अनिश्चितता के कारण सोना-चांदी के दाम बढ़ गए हैं। पर्सनल केयर और विविध वस्तुओं में भी तेज महंगाई दर्ज हुई है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मई-जून में महंगाई 4 फीसदी पार कर जाएगी।

BR

सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी विशेष लेख व्यक्तिगत सोच के आधार पर है।
संपादक

पूंजी बाजार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः पारदर्शी निवेश और विश्वसनीयता की दिशा में एक नई संभावनाओं भरी पहल

वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैश्विक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद अब एआई उस क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है जहाँ इसका प्रभाव सबसे अधिक निर्णायक हो सकता है- पूंजी बाजार। किसी भी देश की आर्थिक संरचना निवेशकों के विश्वास और पूंजी के उचित आवंटन पर आधारित होती है।

हालांकि, यह एक विरोधाभास है कि जिस पूंजी बाजार को सर्वाधिक पारदर्शी और तर्कसंगत होना चाहिए, वही आज भावनात्मक निर्णयों, भ्रामक या प्रायोजित खबरों और व्यक्तिगत हितों से प्रेरित तर्कों के प्रभाव में सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

आज की सच्चाई यह है कि विश्व भर में लाखों कंपनियां सूचीबद्ध हैं, हजारों सेक्टर हैं, और प्रतिदिन करोड़ों खबरें, रिपोर्ट्स और सूचनाएँ पैदा हो रही हैं। किसी भी एक मानव विशेषज्ञ के लिए यह संभव नहीं है कि वह इन सभी का समय पर, निष्पक्ष और पूर्ण विश्लेषण कर सके। यहीं से एआई की वास्तविक उपयोगिता शुरू होती है।

मानव सलाह और उसके सीमित दायरे की सच्चाई

आज चाहे म्यूचुअल फंड का निवेश सलाहकार हो, डिस्ट्रीब्यूटर हो या पोर्टफोलियो मैनेजर– यह मान लेना कि वह पूरी तरह निष्पक्ष होगा, व्यावहारिक नहीं है।

मानव स्वभाव में:

» लालच है
» डर है
» और 'मौका छूट न जाए' का भय यानी फोमो है

इसके अलावा, यह भी एक सच्चाई है कि भारत सहित कई देशों में निवेश सलाह का बड़ा हिस्सा कमीशन आधारित मॉडल पर चलता है। यानी जिस फंड या बीमा उत्पाद में ज्यादा कमीशन है, वही निवेशक के सामने ज्यादा मजबूती से पेश किया जाता है। ऐसे में निवेशक को यह भरोसा कैसे हो कि उसे दी गई सलाह वास्तव में उसके हित में है? ऐसे में विक्रेता डिस्ट्रीब्यूटर या ब्रोकर या सलाहकार अपने मिलने वाले कमीशन से प्रभावित न हो यह संभव नहीं है।

आँकड़े जो सवाल खड़े करते हैं

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के स्वयं के आँकड़ों के अनुसार, भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का बड़ा हिस्सा अभी भी रेगुलर प्लान के माध्यम से आता है, जहाँ निवेशक अप्रत्यक्ष रूप से हर साल 0.5% से 1% तक अतिरिक्त लागत चुकाता है।

इसके विपरीत, डायरेक्ट प्लान में वही निवेश कम लागत पर संभव है– लेकिन जानकारी के अभाव में अधिकांश छोटे निवेशक आज भी इसे नहीं अपनाते।

यही नहीं, बीमा क्षेत्र में भी स्थिति अलग नहीं है। बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की रिपोर्ट्स बताती हैं कि कई जीवन बीमा पॉलिसियाँ अपने पूरे कार्यकाल में निवेशक को बैंक एफडी से भी कम रिटर्न देती हैं, जबकि उनका विपणन 'निवेश' के नाम पर किया जाता है और जांच करने पर यह पाया जाता है कि वह पॉलिसी उसको रॉग सेलिंग यानी झूठे वादे प्रलोभन या झूठी जानकारियां देखकर के बेची गई है।

विकसित देशों का अनुभवः कमीशन से मुक्ति

यदि हम वैश्विक नीतियों को देखें, तो तस्वीर और स्पष्ट होती है।

यूरोप में MiFID II के तहत निवेश सलाह में कमीशन आधारित प्रोत्साहनों पर कड़ा नियंत्रण लगाया गया है। ब्रिटेन और नीदरलैंड जैसे देशों में तो निवेश सलाहकारों के लिए कमीशन लेना लगभग पूरी तरह प्रतिबंधित है। वहाँ

निवेशक:

« सलाह के लिए सीधे फीस देता है

सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जयपुर, राजस्थान

« और सलाहकार केवल निवेशक के प्रति जवाबदेह होता है

परिणाम यह हुआ कि:

« निवेश निर्णय अधिक पारदर्शी हुए
« गलत उत्पादों की बिक्री घटी
« और निवेशकों का भरोसा बढ़ा

भारत में भी पिछले 4-5 वर्षों में डायरेक्ट प्लान की शुरुआत इसी दिशा में एक कदम है, लेकिन यह अभी अधूरा सुधार है।

एआईः निवेशक का निष्पक्ष साथी

अब सवाल उठता है इस व्यवस्था का समाधान क्या है?

उत्तर है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।

यदि कोई निवेशक अपनी:

« आय
« खर्च
« जोखिम सहनशीलता
« निवेश लक्ष्य

जैसी वास्तविक जानकारी एआई सिस्टम को देता है, तो एआईः

« किसी कंपनी या फंड से प्रभावित नहीं होगी
« किसी कमीशन के दबाव में नहीं होगी
« और भावनाओं के बजाय केवल डाटा और तर्क के आधार पर सलाह देगी

आज वैश्विक स्तर पर एआई सिस्टम लाखों बैलेंस शीट्स, कैश फ्लो स्टेटमेंट्स, मैक्रोइकॉनॉमिक डेटा और खबरों का रीयल-टाइम विश्लेषण कर सकते हैं। जो काम एक टीम को हफ्तों में करना पड़े, वही काम एआई कुछ सेकंड में कर सकती है।

छोटी खबरें, बड़ा असर और एआई की गति

पूंजी बाजार में कई बार देखा गया है कि:

« किसी देश का एक नीतिगत बयान
« किसी कंपनी पर एक कानूनी केस
« या कच्चे तेल या माल की कीमत में **मामूली बदलाव**

पूरे सेक्टर को हिला देता है। मानव विश्लेषक अक्सर इन घटनाओं का आकलन तब करते हैं, जब बाजार अपनी प्रतिक्रिया दे चुका होता है।

एआई यहाँ बढ़त ले लेती है, क्योंकि वहः

« खबर के स्रोत को तुरंत पहचानती है
« उसके ऐतिहासिक प्रभाव का विश्लेषण करती है
« और सेक्टर व कंपनी पर संभावित असर का अनुमान तुरंत प्रस्तुत करती है

यही वह गति है, जिसकी आज निवेशकों को सबसे अधिक जरूरत है।

अफवाहों से बचाव का एकमात्र रास्ता

भारतीय बाजारों में निवेशकों को सबसे अधिक नुकसानः

« अफवाहों
« सोशल मीडिया संदेशों
« और अधूरी जानकारी से होता है।

यदि हर निवेशक के पास एक ऐसा एआई-आधारित प्लेटफॉर्म हो, जो:

« खबर की सच्चाई जाँच सके
« उसका वास्तविक प्रभाव समझा सके
« और भावनात्मक फैसलों से बचा सके

तो बाजार में अनावश्यक उतार-चढ़ाव भी कम होगा और निवेशकों का धन भी सुरक्षित रहेगा।

एआई कंपनियों और नियामकों से अपेक्षा

आज एआई कंपनियाँ स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में जिस गंभीरता से कार्य कर रही हैं, उसी स्तर का ध्यान वित्तीय बाजारों के विश्लेषण पर भी आवश्यक है।

खास बात यह है कि:

« दुनिया का अधिकांश वित्तीय डाटा पहले से ही डिजिटल रूप में मौजूद है
« चुनौती केवल उसके सही उपयोग की है

वहीं नियामकों से अपेक्षा है कि वे:

« कमीशन आधारित मॉडल पर पुनर्विचार करें
« एआई आधारित निष्पक्ष सलाह को प्रोत्साहन दें
« और निवेशक शिक्षा को तकनीक से जोड़ें

निष्कर्षः भरोसे की अर्थव्यवस्था की ओर

मेरा देश के शेयर बाज़ार, सेबी, केंद्रीय सरकार के अधिकारियों से निवेदन या सुझाव है कि वे वाकई में देश के निवेशकों के बारे में एक बड़ी सोच रखें। यदि वे स्वयं एक इंडिपेंडेंट कंपनी बनाकर इस एआई मॉडल को विकसित करें, तो इस कंपनी के यूज़र भी करोड़ों में हिंदुस्तान में हो जाएंगे। साथ ही यह कंपनी आने वाले समय में एक बहुत बड़ी रिसर्च कंपनी के रूप में उभरकर भारतीय शेयर बाज़ार में लिस्ट भी हो सकती है।

अंततः, चाहे भारतीय पूंजी बाजार हो या वैश्विक–पैसा निवेशकों का होता है, और जिम्मेदारी पूरे सिस्टम की।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई जादू नहीं है, लेकिन यहः

« पारदर्शिता ला सकती है
« निष्पक्षता सुनिश्चित कर सकती है
« और निवेश को अफवाहों से निकालकर तथ्यों की जमीन पर ला सकती है

यदि एआई का सही उपयोग हुआ, तो यह केवल तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि निवेश जगत में भरोसे की नई अर्थव्यवस्था की शुरुआत होगी।

विविध

बिज़नेस रेमेडीज

प्रकाशक एवं मुद्रक पुनीत जैन द्वारा सिंघवी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर नं.11, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित एवं 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : पुनीत जैन
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)
मो. 9929106227
ई-मेलः remediesbusiness@gmail.com

डिसक्लेमर

बिज़नेस रेमेडीज़ का उद्देश्य अपने पाठकों को व्यापार और विकास से जुड़ी सटीक, उपयोगी और भरोसेमंद जानकारी प्रदान करना है। हम प्रकाशित सामग्री की विश्वसनीयता बनाए रखने का पूरा प्रयास करते हैं, लेकिन किसी लेख में व्यक्त विचार हमेशा संपादकीय टीम की राय से मेल नहीं खा सकते। इसलिए पाठकों से निवेदन है कि किसी भी जानकारी पर आधारित निर्णय लेते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करें। प्रकाशित सामग्री के आधार पर लिए गए किसी निर्णय या कार्यवाही की जिम्मेदारी यह प्रकाशन नहीं लेता। इस प्रकाशन में दिखाए गए सभी विज्ञापन पूरी तरह से संपादकीय सामग्री से स्वतंत्र होते हैं। विज्ञापनों में किए गए दावों या दी गई जानकारी की पुष्टि या समर्थन बिज़नेस रेमेडीज़ द्वारा नहीं किया जाता। विज्ञापन से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत की पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित विज्ञापनदाता की होगी। यहां प्रकाशित सभी लेख, रिपोर्ट और सामग्री चाहे वे स्टाफ लेखक, समाचार एजेंसियों या अतिथि लेखकों द्वारा दी गई हो, बिज़नेस रेमेडीज़ की बौद्धिक संपदा हैं। बिना पूर्व लिखित अनुमति के किसी भी सामग्री का दोबारा प्रकाशन, वितरण या प्रसारण करना कानूनन वर्जित है।

उत्तर प्रदेश ने 55 जिलों में 63,000 से अधिक पीएम आवास शहरी आवासों को दी मंजूरी

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

उत्तर प्रदेश अपने शहरों में रहने वाले हर व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। हाल ही में हुई एक बैठक में, पीएमएवाई शहरी योजना के तहत 63,000 नए घरों के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया गया। अस्थायी आश्रयों या घनी शहरी झुग्गियों में रहने वाले परिवारों के लिए यह योजना किसी सपने के सच होने के समान है। सरकार का तीव्र निर्माण और कम लागत पर ध्यान केंद्रित करना इन योजनाओं को वास्तविक घरों में बदलने में सहायक होगा। यह कदम सिर्फ ईंटों के निर्माण तक सीमित नहीं है, यह लोगों को स्थायी घर की स्थिरता प्रदान करने के बारे में है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के शहरी आवासों का विस्तारः प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने इन शहरी आवासों का निर्माण राज्य की नवीनतम शहरी नियोजन योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अधिकारियों ने उन शहरों पर ध्यान केंद्रित किया है जहां आवास की सबसे अधिक आवश्यकता है। ये आवास इकाईयां मजबूत और टिकाऊ हैं, और इनमें आधुनिक सामग्रियों का उपयोग किया गया है जो मौसम की मार झेल सकती हैं। प्रत्येक कॉलोनी को आत्मनिर्भर बनाया गया है। इसका मतलब यह है कि जब कोई परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने इन शहरी आवासों में से किसी एक में रहने आता है, तो उन्हें सिर्फ एक कमरा ही नहीं मिलता। उन्हें स्वच्छ पानी, बिजली और पक्की सड़कें उनके घर के बिल्कुल पास ही उपलब्ध होती हैं।

परियोजना के लिए वित्तपोषण और लाभार्थी चयनः सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी आवास प्राप्त करने की प्रक्रिया को बेहद सरल और निष्पक्ष बना दिया है। धोखाधड़ी रोकने के लिए, पैसा सीधे मकान मालिक के बैंक खाते में किस्तों में भेजा जाता है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग कर्ज में डूबे बिना अपना घर बना सकते हैं। मकान का चयन आय और पहले से घर होने की स्थिति के आधार पर किया जाता है। भारी सब्सिडी देकर कीमतों को कम रखते हुए, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिहाड़ी मजदूर भी शहर में एक मजबूत घर खरीद सकें।

परिधीय इलाकों पर अचल संपत्ति का प्रभावः आवास निर्माण में आई इस तेजी का असर लखनऊ और कानपुर के आसपास के इलाकों में रियल एस्टेट पर पड़ रहा है। सरकार द्वारा इन बड़ी-बड़ी कॉलोनियों के निर्माण के चलते आसपास की जमीन की कीमत बढ़ने लगी है। कई समझदार निवेशक अब कुर्सी रोड और नीलमथा जैसे विकासशील क्षेत्रों में भूखंड खरीद रहे हैं। वे जानते हैं कि जहां सरकार निर्माण करती है, वहां सड़कें और बाजार भी जल्द ही खुल जाते हैं।

इस विकास के कारण निजी आवास की मांग भी बढ़ रही है। कई मध्यमवर्गीय खरीदार लखनऊ में, विशेष रूप से न्यू जेल रोड क्षेत्र के आसपास, किफायती फ्लैटों की तलाश कर रहे हैं। लखनऊ के ये फ्लैट इसलिए लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि ये नई सरकारी टाउनशिप के निकट आधुनिक जीवनशैली प्रदान करते हैं। चाहे कोई भविष्य के लिए छोटे भूखंड खरीद रहा हो या नए अपार्टमेंट में जा रहा हो, पीएम आवास योजना का प्रभाव पूरे स्थानीय संपत्ति बाजार पर महसूस किया जा रहा है। आधुनिक केंद्रों में जीवन अव्यवस्थित बस्तियों की तुलना में स्वास्थ्य के लिए कहीं बेहतर है। सरकार की आवास योजना शहरी परिदृश्य को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सदस्यता कूपन

(केवल डाक या ई-मेल से प्राप्त करने के लिए)

अवधि	अंक	सदस्यता शुल्क
1 वर्ष	358	1050

E-mail
remediesbusiness@gmail.com

नामः .....
पताः .....
.....पिनकोड.....
फोनः..... मो. .....
ड्राफ्ट/चैक का विवरणः .....
ई-मेलः .....

बिजनेस रेमेडीज प्राप्त करने के लिए सदस्यता शुल्क बैंक अकाउंट में जमा कराये या सदस्यता फार्म भरकर चैक/डीडी के साथ कार्यालय पर भिजवायें।
Bank Account:- Business Remedies
A/c No. 61233949765 Bank Name: SBI
पताः- 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर
फोनः- 9166611333, 9929106227

#साधारण डाक द्वारा बिजनेस रेमेडीज की डिलीवरी में अनियमितता होने पर बिजनेस रेमेडीज प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

कोरियर सुविधा
कोरियर के द्वारा बिजनेस रेमेडीज मंगवाने पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने डीडीए को 'सिंगल विंडो ऑनलाइन बिल्डिंग परमिट सिस्टम' शुरू को कहा

नई दिल्ली | एजेंसी

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने 'ईज ऑफ लिविंग' बनाने के उद्देश्य से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को 'सिंगल विंडो ऑनलाइन बिल्डिंग परमिट सिस्टम' (ओबीपीएस) के तहत सिंगल विंडो मंजूरी प्रणाली शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

डीडीए द्वारा शुरू की गई यह नई सुविधा भवन निर्माण की मंजूरी को तेज, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाएगी और पिछली प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय सुधार लाएगी, जो अक्सर अनावश्यक लालफीताशाही, जनता को परेशान करने और भ्रष्टाचार की शिकायतों का कारण बनती थीं।

उपराज्यपाल ने एकल खिड़की (सिंगल विंडो) ओबीपीएस शुरू करने के निर्देश जारी करते समय पहले भी इन मुद्दों को उठाया था।

बयान में कहा गया है कि नई प्रणाली नागरिकों, मकान मालिकों, वास्तुकारों और डेवलपर्स को भवन निर्माण की अनुमतियों और संबंधित स्वीकृतियों की प्रक्रिया के लिए एक सुगम, एकीकृत इंटरफेस प्रदान करेगी।

यह प्रणाली एक ही विंडो के माध्यम से भवन योजनाओं, दस्तावेजों और कई अनापत्ति प्रमाण पत्रों (एनओसी) को ऑनलाइन जमा करने में सक्षम बनाती है, जिससे प्रक्रियात्मक जटिलता कम होती है और डीडीए कार्यालयों में बार-बार जाने की आवश्यकता कम हो जाती है।

बयान में यह भी कहा गया है कि इससे आवेदक वास्तविक समय में आवेदन की स्थिति का पता लगा सकेंगे, ऑनलाइन शुल्क भुगतान कर सकेंगे और डीडीए कार्यालयों में बार-बार जाए बिना डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित स्वीकृतियां प्राप्त कर सकेंगे।

यह प्रणाली एआई-संचालित योजना जांच, स्वचालित अनुपालन जांच, भौगोलिक रूप से चिह्नित मोबाइल निरीक्षण और तत्काल एसएमएस और ईमेल सूचनाओं को एकीकृत करती है।

इस पहल से भवन निर्माण की मंजूरी प्रक्रिया में मैन्युअल हस्तक्षेप, प्रक्रियात्मक देरी और परिचालन त्रुटियों में काफी कमी आने की उम्मीद है, साथ ही जवाबदेही, दक्षता और सटीकता में सुधार होगा।

यह पहल प्रौद्योगिकी-आधारित शासन सुधारों और सुव्यवस्थित सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्रों के माध्यम से दिल्ली के शहरी नियोजन और विकास ढांचे के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

BUSINESS

न्यूज ब्रीफ

श्री अयोध्या धाम महिला श्रद्धा यात्रा 15 मई को

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

सनातन संस्कृति, गौ संरक्षण और नारी शक्ति के संदेश के साथ जयपुर से 151 महिलाओं की श्री अयोध्या धाम महिला श्रद्धा यात्रा 15 मई को रवाना होगी। अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद एवं लाडो अपनी बचत घर योजना महिला सहकारी समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में मातृ शक्ति जयपुर के आराध्य देव गोविंद देव जी महाराज का आशीर्वाद लेकर अयोध्या धाम रवाना होगी और प्रभु श्रीराम के चरणों में विजय ध्वज अर्पित करेगी। यात्रा का नेतृत्व मोनिका गुप्ता करेंगी। वे प्रदेश की महिलाओं की ओर से प्रभु श्रीराम को पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिली ऐतिहासिक विजय का धन्यवाद ज्ञापित करेंगी और गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की प्रार्थना करेंगी। महिलाएं जयपुर से भगवान गोविंद देव जी की विशाल छवि भी अपने साथ अयोध्या लेकर जाएंगी। अयोध्या में रामलला के समक्ष गोविंद देव जी की पूजा-अर्चना की जाएगी। एक तरह से यह द्वापर और त्रेता युग के मिलन का दृश्य होगा।

जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए 15 मई तक करें आवेदन

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राज्य के हाथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से हर वर्ष की भांति राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में भी बुनकरों को नकद पुरस्कार देने का प्रावधान किया है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जयपुर (ग्रामीण) के महाप्रबंधक सुभाष चन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय पुरस्कार हेतु जिले की सीमा में कार्यरत हाथकरघा बुनकरों से आवेदन पत्र आमंत्रित है। इसके लिए वहीं बुनकर पात्र हैं जो हाथकरघा पर बुनाई कार्य में पिछले 3 वर्षों से कार्य कर रहे हैं तथा जिन्हें गत 3 वर्षों में इस पुरस्कार के लिए चयनित नहीं किया गया हो। पात्र हाथकरघा बुनकर अपना आवेदन दिनांक 15 मई 2026 तक कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जयपुर (ग्रामीण) में जमा करा सकते हैं। आवेदन जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जयपुर (ग्रामीण) कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

पुखराज सोनी अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार 13 मई को उप शाखा एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सर्व सहमति से पुखराज सोनी को नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष रामबाबू शर्मा की अध्यक्षता में अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह शेखावत, प्रदेश महामंत्री लेखराज वर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष मोहनलाल मीणा, जयपुर जिला मंत्री राजेंद्र कुमार शर्मा, जयपुर जिला संयुक्त मंत्री दीपक कुमार थापा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इन सबकी मौजूदगी में करतल ध्वनि से तालिया बजाकर व पुष्प मालाएं पहनाकर पुखराज सोनी का स्वागत अभिनंदन किया गया। वहीं इस अवसर पर उच्च अधिकारी प्रधानाचार्य दीपक माहेश्वरी एवं एचओडी संजय सिंघल ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एक जिला एक उत्पाद नीतिः 18 करोड़ रुपये से अधिक लागत की पांच परियोजनाएं स्वीकृत

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राज्य सरकार द्वारा पंच गौरव कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। इस क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति (ओडीओपी) के तहत चयनित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए 20 लाख रुपये तक का मार्जिन मनी अनुदान सहित अन्य परिलाभ दिए जा रहे हैं। अब ओडीओपी उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुकूल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता वाली पंच गौरव कार्यक्रम से जुड़ी राज्य स्तरीय समिति ने प्रदेश के पांच जिलों में कुल 18.19 करोड़ रुपये की की लागत से स्थापित होने वाली परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। साथ ही, इनका कार्य शीघ्र आरंभ करने के लिए पहले चरण में 10.76 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि दौसा, चूरू, डीडवाना-कुचामन, फलोदी और बालोतरा में कॉमन फैसिलिटी सेंटर, टेस्टिंग लैब और भंडारण के लिए कुल 5 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

दौसा में पत्थर आधारित उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए 3.30 करोड़ रुपये की लागत से टेक्नोलॉजी फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। इससे स्टोन आधारित उत्पादों में आधुनिक कटिंग, डिजाइन और फिनिशिंग में सुधार होगा।

चूरू में लकड़ी से संबंधित उत्पादों की टेस्टिंग और सीजनिंग के लिए 2.5 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन बीआईएस टेस्टिंग लैब और सीजनिंग सुविधा स्थापित की जाएगी। इससे हस्तशिल्प उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार अनुकूल उत्पाद तैयार हो सकेंगे।

डीडवाना-कुचामन में स्टोन प्रोसेसिंग के लिए 5.05 करोड़ रुपये की लागत से सीएनसी मशीन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसी प्रकार फलोदी में सोनामुखी के लिए 2.35 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन क्लाइमेट-कंट्रोल्ड वेयरहाउसिंग फैसिलिटी स्थापित की जाएगी। इससे सोनामुखी लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

बालोतरा में वस्त्र उत्पादों में आधुनिक तकनीक से डिजाइन आदि कार्यों के लिए करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से टेक्सटाइल डिजिटल प्रिंटिंग कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया जाएगा।

6 जिलों में 5.85 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं प्रगतिरतः सक्सेना ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में एक जिला एक उत्पाद नीति के तहत 8 जिलों में कुल 6.07 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिसमें 2 जिलों में स्वास्थ्य शिविर और सुरक्षा किट वितरण भी शामिल है। चित्तौड़गढ़ में ओडीओपी उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 2 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी यूटिलिटी सेंटर, हनुमानगढ़ में 1.5 करोड़ रुपये की लागत से रूरल हाट निर्माण, डीडवाना-कुचामन में 20 लाख रुपये की लागत से व्यापार सुविधा केंद्र, झुंझनूं में 90 लाख रुपये की लागत से शिल्पग्राम का सुधार एवं नवीनीकरण, कोटा में 30 लाख रुपये की लागत से सीएफसी का विस्तार और राजसमंद में 95 लाख रुपये की लागत से प्रदर्शनी हॉल एवं डिस्प्ले सेंटर का निर्माण शामिल हैं। इसके साथ ही, श्रमिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए दौसा और डीग जिलों में सिलिकोसिस बचाव शिविरों के माध्यम से 1500 से अधिक लाभार्थियों को स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा किट उपलब्ध कराई गईं।

20 लाख रुपये तक मार्जिन मनी अनुदानः राज्य के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए लागू की गई एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के तहत सभी 41 जिलों में एक-एक उत्पाद की पहचान की गई है। इसके तहत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को 20 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी अनुदान दिया जाता है। साथ ही, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर पर 5 लाख रुपये तक अनुदान, क्वालिटी सर्टिफिकेशन और आईपीआर पर 3 लाख रुपये तक पुनर्भरण राज्य सरकार द्वारा देय है। विपणन आयोजनों में भाग लेने के लिए 2 लाख रुपये तक सहायता, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 1 लाख रुपये प्रतिवर्ष का 2 साल तक पुनर्भरण और कैटलॉगिंग और ई-कॉमर्स वेबसाइट विकास के लिए 75 हजार रुपये तक एकमुश्त सहायता का प्रावधान है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार होंगे उत्पाद

राष्ट्रीय सेमिनार में दिखेगा उदयपुर का दम

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

पेंचक सिलाट फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कोच एवं रेफरी सेमिनार के लिए उदयपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक मनीष सालवी का चयन किया गया है। यह गौरवपूर्ण सेमिनार 16 मई से 20 मई 2026 तक श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। उदयपुर पेंचक सिलाट एसोसिएशन के मुख्य सचिव हरीश कुमार सांवरिया ने बताया कि यह सेमिनार 'पेंचक सिलाट रोड टू ओलम्पिक' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इसमें अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को नए नियम, आधुनिक रेफरिंग सिस्टम और खेल की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भीलवाड़ा बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब, हिंदुस्तान जिंक और ग्रुप निर्मल के मध्य एमओयू

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य में एक बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। विश्व की अग्रणी जिंक और सिल्वर उत्पादक कंपनी, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने ग्रुप निर्मल के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत भीलवाड़ा जिले के कांखला में स्थापित होने वाले जिंक इंडस्ट्रियल पार्क में एक अत्याधुनिक जिंक वायर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाया जाएगा। **इंफ्रास्ट्रक्चर और रिन्यूएबल एनर्जी को मिलेगी मजबूतीः** इस समझौते के जरिए ग्रुप निर्मल हिंदुस्तान जिंक के 'स्पेशल हाई ग्रेड जिंक' का उपयोग कर जिंक वायर तैयार करेगा। इन वायर्स का महत्व देश के बुनियादी ढांचे के लिए अत्यधिक है।

जंग से सुरक्षाः जिंक वायर का मुख्य उपयोग थर्मल स्प्रे कोटिंग और मेटलाइजिंग में होता है, जो पुलों, रेलवे, ट्रांसमिशन टावरों और बंदरगाहों जैसे स्टील के ढांचों को जंग से बचाता है।

प्रमुख क्षेत्रः इन उत्पादों की आपूर्ति ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) जैसे क्षेत्रों में की जाएगी।

'राइजिंग राजस्थान' का विजन हो रहा साकार

इस जिंक पार्क की घोषणा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने दिसंबर 2024 में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान की थी। इसे राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम के सहयोग से विकसित किया जा रहा है ताकि कंपनियों को कच्चा माल और बुनियादी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकें।

आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसरः हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस पहल को रणनीतिक बताते हुए कहा कि जिंक पार्क का लक्ष्य घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को सशक्त बनाना और सप्लाई चेन को मजबूत करना है।

निवेश का आकर्षणः यह पार्क गैल्वनाइजिंग, डाई-कास्टिंग, जिंक ऑक्साइड और बैटरी सामग्री जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश आकर्षित करेगा।

रोजगारः इस औद्योगिक क्लस्टर के विकसित होने से राजस्थान में हजारों की संख्या में रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

यह सहयोग न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्नत जंग-रोधी समाधानों की वैश्विक मांग को पूरा करने में भी भारत की मदद करेगा। जिंक-आधारित कोटिंग्स से इस्पात संरचनाओं की उम्र बढ़ती है, जिससे रखरखाव की लागत में भारी कमी आती है।

राज्य में डिजिटल कनेक्टिविटी विस्तार को मिलेगी नई गति, मुख्य सचिव ने दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राज्य में दूरसंचार अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार करने तथा दूरसंचार परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य ब्रॉडबैंड समिति की 17 वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में दूरसंचार विभाग-राजस्थान, DoIT&C, राज्य एवं बीएसएनएल, राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी और दूरसंचार संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि दूरसंचार परियोजनाओं से जुड़े सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करते हुए प्रदेश में डिजिटल अवसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सशक्त दूरसंचार नेटवर्क विकसित राजस्थान-2047 के विजन को साकार करने का महत्वपूर्ण आधार है। दूरस्थ एवं सीमावर्ती क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी विभागों को समन्वित एवं परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनानी होगी।

मुख्य सचिव ने राज्य के सभी गांवों में ब्रॉडबैंड कवरेज सुनिश्चित करने तथा दूरसंचार परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि दूरसंचार राइट ऑफ वे (RoW) नियम-2024 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो।

डॉ. रवि कुमार सुरपुर, शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग ने बताया कि दूरसंचार राइट ऑफ वे नियम, 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्यों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में वित्त मंत्रालय द्वारा विशेष सहायता योजना के अंतर्गत राजस्थान को 150 करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नई ऑनलाइन स्टेट RoW पोर्टल व्यवस्था विकसित कर केंद्रीय पोर्टल से एकीकृत किया गया है जिससे अनुमतियों की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध हुई है।

बैठक में भारतीय दूरसंचार सेवा के उप महानिदेशक आनंद कटोच ने दूरसंचार राइट ऑफ वे नियम, 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन, राज्य RoW पोर्टल की प्रगति, 'कॉल बिफोर यू डिग' मोबाइल एप एवं पोर्टल के उपयोग, बीएसएनएल 4जी सैचुरेशन परियोजना, संशोधित भारतनेट परियोजना, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों तथा राज्य में डिजिटल कनेक्टिविटी विस्तार से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और प्रगति के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल का कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम रहा शानदार

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

माउण्ट लिटेरा ज़ी स्कूल का कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष अत्यंत उत्कृष्ट रहा। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस सफलता का उत्सव मनाया।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। विज्ञान संकाय में कीर्ति ने 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

रीको ने एक माह में 400 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां एवं 200 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यादेश जारी किए

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राजस्थान की अर्थव्यवस्था को गति देने और राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से रीको लगातार कार्य कर रहा है। रीको का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में रीको ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम माह में ही 200 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यादेश जारी किये हैं। इन कार्यों में भिवाड़ी, बीकानेर, उदयपुर एवं कोटा के औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क विकास, उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण, नालियों का उन्नयन तथा ड्रेन कवरिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

रीको द्वारा इस वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में लगभग 213 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किये गये।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

इनमें प्रमुख रूप से भिवाड़ी के कहरानी क्षेत्र में ड्रेन कवरिंग कार्य हेतु 17 करोड़ रुपये, बीकानेर के खारा औद्योगिक क्षेत्र में नालियों के उन्नयन हेतु 11 करोड़ रुपये, जयपुर के रामचंद्रपुरा, प्रहलादपुरा, सीतापुरा एवं कुंजबिहारीपुरा औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क उन्नयन एवं नालियों के विकास कार्य हेतु लगभग 76 करोड़ रुपये, कोटा के आईपीआईए इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में सीसी रोड एवं अन्य विकास कार्य हेतु 12 करोड़ रुपये के कार्यादेश सम्मिलित हैं।

रीको ने गत एक माह में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिये लगभग 400 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां भी जारी की हैं। ये स्वीकृतियां सीकर के गणेश्वर, एसकेएस रींगस एवं आईजीसी पलसाना प्रथम, किशनगढ़ के खोडा, अजमेर के श्रीनगर एवं सावर, उदयपुर के गुडली एवं सुखेर, तथा जयपुर के झोटवाडा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, बगरू विस्तार, बिंदायका एवं माथासूला प्रथम चरण सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों हेतु जारी की गई हैं।

रीको के इन कदमों से राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों की आधारभूत संरचना और अधिक मजबूत होगी तथा निवेश एवं औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

अंतर की पीड़ा

मुझे दिखादो मेरे हिन्दुस्तान की वो गलियां जहां मुस्कराती इठलाती रही बचपन की वो कोमल कलियां , दूध, दही और मक्खन से होता था भोर में कलेवा मां-बांप की खुशियों से जुड़वा था दो दिलों का हथलेवा आज जहरिला खाना और शर्माने वाला पहनावा बन रहा है वासना के भूखे भेड़ियों को भड़कावा कहीं सुरक्षा नहीं, चारों ओर खतरा ही खतरा चोर लुटेरे कातिल छोड़ते नहीं, इंसान की नसों में खून का कतरा, वो बुजुर्गों का साया, बरगद पीपल की छाया, बच्चों के साथ घर में मचलते घर में छोटे-छोटे चौपाया अब तो आंखे तलाशती है उस अतीत को वहां आपस में बैठे गुनगुनाते रस भरे गीत को, कच्चे घरोंदे थे-पक्के रिश्ते थे कुनबे के सारे लोग एक-दूसरे के दिल में बसते थे एक के पैर में कांटा लगता तो दर्द सभी को होता दिन भर की मेहनत बाद हर शख्स बुजुर्गों की ढाल में सोता डर और खौफ के पास आता हुआ डरता था एक दूसरा एक-दूसरे के लिए खुशी-खुशी मरता था(कुर्बान) हाथ जमाना क्यों ओट ले रहा है पंचम आरे की ये कसक किसी एक की नहीं है पूरे हिंद के दुखियारे की मुझे चाहिए मेरा वो वाला हिन्दुस्तान जहां हर रोज आते थे मेहमान, सबका होता था सम्मान गली-गली में झलकता था शुद्ध खानपान, सुथरा हुआ खानदान।

चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा·

मंत्री जोगाराम पटेल का सम्मान एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राजस्थान विधि सेवा संवर्ग के अधिकारियों द्वारा शासन सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन, जयपुर में राज्य के माननीय विधि मंत्री जोगाराम पटेल के सम्मान में स्वागत एवं बधाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विधि मंत्री का भव्य एवं गरिमामय स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दिनांक 9 मई 2026 प्रदेश एवं विधि विभाग के लिए गौरवपूर्ण दिवस रहा, जब जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में नवीन आपराधिक कानूनों के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में

राजस्थान विधि सेवा संवर्ग, विधि रचनाकार सेवा के अधिकारियों सहित प्रदेशभर के लोक अभियोजकों एवं अपर लोक अभियोजकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भारत सरकार के विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान सरकार के विधि मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन, राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद शर्मा तथा पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं विधि क्षेत्र से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस दौरान राजस्थान विधि सेवा संवर्ग के 'लोगो' का भी अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया।

समारोह में वक्ताओं ने नवीन आपराधिक कानूनों पर आयोजित कार्यशाला के सफल एवं भव्य आयोजन में विधि मंत्री जोगाराम पटेल के विशेष योगदान एवं नेतृत्व की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि इस आयोजन ने प्रदेश में विधि क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करने के साथ राजस्थान को गौरवान्वित किया है। इस दौरान राजस्थान विधि सेवा संवर्ग के अधिकारी योगेन्द्र कुमार दाधीच, विधि अधिकारी गिरवर सिंह राठौड़, पवन चावला, महेंद्र कुमार बेगानी, सुमित शर्मा, महेश यादव एवं गजेन्द्र आदित्य सहित अन्य अधिकारियों ने भी माननीय विधि मंत्री का अभिनंदन किया।

आवश्यकता

बिज़नेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है

सम्पर्क करें

बिज़नेस रेमेडीज

217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर

फोनः +91-9929106227

ई-मेलः remediesbusiness@gmail.com

चौथी तिमाही में भी श्रीराम जनरल इंश्योरेंस का सबसे बेहतर प्रदर्शन प्रीमियम से होने वाली आय में हुई 21 फीसदी की बढ़ोतरी

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के आंकड़े

- प्रीमियम से होने वाली आय में सालाना आधार पर 21 फीसदी की बढ़ोतरी, इंडस्ट्री की ग्रोथ 11 फीसदी से काफी अधिक
- शुद्ध मुनाफे में सालाना आधार पर 28 फीसदी की बढ़ोतरी
- मोटर सेग्मेंट में सालाना आधार पर वृद्धि दर इंडस्ट्री की 10 फीसदी के मुकाबले 21 फीसदी

वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़े

- प्रीमियम से होने वाली आय में सालाना आधार पर 24 फीसदी की बढ़ोतरी
- शुद्ध मुनाफे में सालाना आधार पर 17 फीसदी की बढ़ोतरी
- एयूएम में सालाना आधार पर 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी
- मोटर सेग्मेंट में सालाना आधार पर 23 फीसदी की बढ़ोतरी

अनिल अग्रवाल
एमडी और सीईओ,
श्रीराम जनरल इंश्योरेंस

सेग्मेंट के अनुसार ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम (करोड़ रुपये में)

विवरण	चौथी तिमाही वित्त वर्ष 2025-26	चौथी तिमाही वित्त वर्ष 2024-25	वृद्धि %	वित्त वर्ष 2025-26	वित्त वर्ष 2024-25	वृद्धि %
मोटर	1252.66	1031.17	21.48%	4293.01	3478.06	23.43%
पर्सनल एक्सीडेंट	33.74	27.95	20.71%	139.95	119.49	17.13%
फायर	12.78	17.21	-25.76%	92.03	87.11	5.65%
इंजीनियरिंग	7.96	6.76	17.78%	29.06	24.10	20.59%
हेल्थ इंश्योरेंस	9.89	1.58	524.82%	17.50	3.68	375.44%
अन्य विविध	14.63	14.43	1.42%	63.95	40.94	56.21%

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी (एसजीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम (जीडीपी) इस अवधि में गत वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1099 करोड़ रुपये के मुकाबले 21 फीसदी बढ़कर 1332 करोड़ रुपये रहा है। यह इंडस्ट्री की ग्रोथ 11 फीसदी के मुकाबले काफी अधिक है। यह ग्रोथ प्रमुख रूप से कंपनी के मोटर इंश्योरेंस पोर्टफोलियो की वजह से रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम गत वित्त वर्ष के 3753 करोड़ रुपये के मुकाबले 24 फीसदी बढ़कर 4636 करोड़ रुपये रहा। यह इंडस्ट्री की ग्रोथ 9 फीसदी के मुकाबले करीब ढाई गुना है। यह श्रीराम जनरल इंश्योरेंस को देश में प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी के रूप में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनी बनाता है।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस की निवेश आय 2025-26 की चौथी तिमाही में गत वित्त वर्ष की समान तिमाही के 13 फीसदी के मुकाबले 22 फीसदी बढ़ी

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस का मुनाफे वाली ग्रोथ पर फोकस करने का परिणाम यह रहा कि इसका शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़कर गत वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 130 करोड़ रुपये के मुकाबले 167 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 का कुल शुद्ध मुनाफा 17 फीसदी बढ़कर 515 करोड़ रुपये के मुकाबले 601 करोड़ रुपये रहा। बोर्ड ने 53 अंतिम लाभांश भुगतान को मंजूरी दी है, जिससे इस वित्त वर्ष के लिए कुल लाभांश भुगतान 162 हो गया है। गत वित्त वर्ष में एसजीआई ने कुल 140 लाभांश घोषित किया था। कंपनी ने लगातार मजबूत बैलेंस शीट बनाकर रखी है। मार्च 2026 तक सोल्वेंसी रेश्यो 2.95 रहा है जो नियामक की निर्धारित 1.50 से काफी बेहतर है।

एजेंट नेटवर्क के विस्तार से मिली ग्रोथ को गतिः श्रीराम जनरल इंश्योरेंस का समझदारी भरा 'फिजिटल' मॉडल इसकी लगातार हो रही ग्रोथ का एक अहम ज़रिया बना हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 19,221 नए फाइनेंशियल एडवाइज़र जोड़े जो पिछले साल के मुकाबले 18 ज़्यादा हैं। अभी एडवाइज़रों की कुल संख्या 105,675 है। ब्रांच नेटवर्क एक साल पहले के 279 से बढ़कर 289 हो गया है, जिससे अलग-अलग इलाकों में इसकी फिजिकल मौजूदगी और मज़बूत हुई है। मार्च 2026 तक एक्टिव पॉलिसीज़ बढ़कर 69 लाख हो गई हैं, जबकि गत वर्ष यह संख्या 65 लाख थी; यह ग्राहकों तक गहरी पहुँच और बिज़नेस की लगातार बनी गति को दिखाता है।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी के एमडी और सीईओ अनिल अग्रवाल ने कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 का हमारा प्रदर्शन हमारे बिजनेस मॉडल की मजबूती और लाभप्रद एवं टिकाऊ ग्रोथ को दर्शाता है। बाजार के प्रतिस्पर्धी महौल के बावजूद हमने लगातार चौथे वर्ष इंडस्ट्री ग्रोथ से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। हमारा मोटर पोर्टफोलियो पिछली तिमाही से हमारी ग्रोथ का प्रमुख आधार लगातार बना हुआ है। अनुशासित अंडरराइटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन की व्यापक पहुँच और दावों के निपटान की अधिक सशक्त क्षमताओं के माध्यम से इसमें मदद मिली है।'

चौथी तिमाही का नया प्रोडक्ट

श्री हेल्थ सुरक्षा 2.0: एक बेहतर क्षतिपूर्ति-आधारित स्वास्थ्य बीमा प्लान, जो बिना रूम रेंट सीमा (room rent capping), बीमित राशि की असीमित बहाली (unlimited restoration of sum insured), ज़ीरो को-पेमेंट और एम्बुलेंस, एयर एम्बुलेंस, कंज्यूमेबल्स और आयुष (AYUSH) उपचारों के लिए कवरेज के साथ, संपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है।

एसजीआई की अगले चरण की ग्रोथ:

- **डिस्ट्रीब्यूशन का विस्तार:** एसजीआई की योजना वित्त वर्ष 2029-30 तक अपने वित्तीय सलाहकारों के नेटवर्क को बढ़ाकर 2 लाख तक करने की है।
- **विकास लक्ष्य:** कंपनी को उम्मीद है कि वह अगले वित्त वर्ष को 6,000 करोड़ के ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम (जीडीपी) के साथ समाप्त करेगी और 2030 तक 10,000 करोड़ तक पहुँच जाएगी।
- **प्रोडक्ट्स में विविधता:** एसजीआई पैरामीट्रिक बीमा और श्योरिटी बॉन्ड बीमा के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर रही है।

श्याम मेटालिक्स ने Q4 एवं FY26 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया, Q4 में राजस्व 27% बढ़ा

कोलकाता | बिजनेस रेमेडीज

श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड (SMEL), भारत की अग्रणी एकीकृत धातु उत्पादक कंपनियों में से एक, ने 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही और पूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जिसमें राजस्व, लाभप्रदता और परिचालन प्रदर्शन में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनी ने Q4 FY26 में रूपये 5,240 करोड़ का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो Q4 FY25 के रूपये 4,139 करोड़ की तुलना में 27% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाता है। तिमाही के दौरान EBITDA 33% बढ़कर रूपये 756 करोड़ रहा, जबकि कर पश्चात लाभ (PAT) 42% बढ़कर रूपये 312 करोड़ हो गया। परिचालन EBITDA भी 41% बढ़कर रूपये 727 करोड़ रहा।

पूर्ण वित्तीय वर्ष FY26 के लिए कंपनी ने रूपये 18,552 करोड़ का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो FY25 की तुलना में 22% की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष के दौरान EBITDA रूपये 2,537 करोड़ रहा, जबकि PAT बढ़कर रूपये 61 करोड़ हो गया। FY26 में परिचालन EBITDA रूपये 2,333 करोड़ रहा, जिसमें 25% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। तिमाही के दौरान कंपनी ने मजबूत परिचालन गति बनाए रखी, जिसमें कुल वॉल्यूम में 22% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। CR Coil/CR Sheet, Pig Iron, Stainless Steel और Iron Pellets जैसे प्रमुख उत्पाद वर्गों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसे बेहतर रियलाइजेशन और उन्नत परिचालन दक्षताओं का समर्थन मिला।

तिमाही के दौरान बोर्ड ने रूपये 2,700 करोड़ के अतिरिक्त कैपेक्स निवेश को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य वैल्यू-ऐडेड और स्पेशियलिटी स्टील सेगमेंट्स में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करना, डाउनस्ट्रीम क्षमताओं का विस्तार करना और दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देना है।

वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने रणनीतिक विस्तार परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की, जिसमें जामुड़िया स्थित CRM कॉम्प्लेक्स में फेज 2 संचालन की शुरुआत और पकुरिया स्थित एल्युमिनियम प्लांट में एनीलिंग फर्नेस जोड़कर विस्तार शामिल है। इसके अतिरिक्त, ओडिशा स्थित एल्युमिनियम विनिर्माण परियोजना वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की उन्नत तैयारी के चरण में है। कंपनी के निरंतर निवेश और विस्तार पहलें पश्चिम बंगाल में तेजी से बढ़ रही औद्योगिक विकास गति के अनुरूप हैं, जिसे राज्य सरकार द्वारा विनिर्माण-आधारित विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष फोकस का समर्थन प्राप्त है।

बर्जर पेंट्स के 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही और वर्ष के वित्तीय परिणाम घोषित

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए 4 रुपये (400%) प्रति इक्विटी शेयर (1 रुपये अंकित मूल्य) के लाभांश की सिफारिश की है। 'पिछली तिमाही में दिखाई गई मांग में क्रमिक सुधार की गति चौथी तिमाही में भी जारी रही, जिसके परिणामस्वरूप इस तिमाही में 11.8% की स्वस्थ वॉल्यूम वृद्धि हासिल हुई। इस वृद्धि को मिक्स में गुणात्मक सुधार तथा कच्चे माल की कीमतों में नरमी का सहारा मिला, जिससे 10 तिमाहियों के उच्चतम ग्रॉस मार्जिन और ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन दर्ज किए गए। हमने अपने प्रमुख फोकस सेगमेंट्स, वॉटरप्रूफिंग, कंस्ट्रक्शन केमिकल्स और वुड कोटिंग्स में स्वस्थ एवं मजबूत वृद्धि दर्ज करना जारी रखा। प्रीमियम इमल्शन सेगमेंट में हमारे नए लॉन्च 'कलर प्लस' को बाजार से मिला सकारात्मक प्रतिसाद बेहद उत्साहजनक है।

नेटवर्क विस्तार और कम बाजार हिस्सेदारी वाले शहरी बाजारों में विकास को बढ़ावा देने के हमारे प्रयास महीने-दर-महीने सकारात्मक ट्रैक्शन दिखा रहे हैं, जिससे आगे बेहतर परिणामों की उम्मीद है। ऑटोमोटिव सेगमेंट ने जीएसटी कटौती के बाद बढ़ी मांग और कम ब्याज दरों का लाभ उठाते हुए मजबूत प्रदर्शन किया। इसके साथ ही जनरल इंडस्ट्रियल सेगमेंट ने भी अच्छी वृद्धि दर्ज की। प्रोटेक्टिव और पाउडर कोटिंग्स सेगमेंट में महीने-दर-महीने सुधार देखने को मिला, जो तिमाही के अंत की ओर विकास में रिकवरी का संकेत दे रहा है। हमारी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों जैसे बोलिक्स एसए, बर्जर बेकर कोटिंग्स, बर्जर निप्पॉन एवं बर्जर रॉकरॉक ने टॉपलाइन और परिचालन लाभ दोनों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की। एसबीएल स्पेशियलिटी कोटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने इस तिमाही में मध्यम राजस्व और लाभ वृद्धि हासिल की।

हमारे नेपाल संचालन का प्रदर्शन वहां की अस्थिर राजनीतिक स्थिति और चुनावों से प्रभावित रहा, जिसके अब बदलते परिदृश्य के साथ बेहतर होने की उम्मीद है। एसटीपी लिमिटेड की टॉपलाइन प्रभावित रही, जिसके कारण स्केल के अभाव में परिचालन लाभप्रदता कमजोर रही। घरेलू मांग के संकेतकों में विभिन्न क्षेत्रों और बाजारों में धीरे-धीरे सुधार और मासिक आधार पर मांग में क्रमिक उछाल, ये सभी सकारात्मक संकेत हैं और आने वाले महीनों में परिणाम इन गतिविधियों को प्रतिबिंबित करते हुए दिखाई देंगे। मार्च 2026 के अंत से चरणबद्ध तरीके से लागू की गई 11% से अधिक की सुनियोजित मूल्य वृद्धि, कच्चे माल की बढ़ती लागत के बीच सकल मार्जिन को सहारा देने की उम्मीद है।

सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड से 1.51 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।

गुजरात के जामनगर आधारित 'सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड' पीतल स्क्रैप की रीसाइक्लिंग संबंधित गतिविधियों में संलग्न प्रमुख कंपनी है। कंपनी को सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड से फीमेल इंसर्ट 1/2' सीपीवीसी/एक्वा थ्रेड टॉपर के लिए एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है और कुल ऑर्डर का मूल्य 1,51,33,500 रुपये है।

कारोबारी गतिविधियां: वर्ष 2007 में कंपनी का इनकॉर्पोरेशन हुआ था। सियाराम रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मुख्य गतिविधियों में पीतल के स्क्रैप को अलग करना, पीतल की सिल्लियां, बिलेट्स और पीतल की छड़ें बनाना और पीतल-आधारित घटकों, विशेष रूप से प्लंबिंग और सैनिटरी भागों का उत्पादन करना शामिल है। ये सभी ऑपरेशन जामनगर जिले में तीन निर्माण इकाईयों पर होते हैं, जो पीतल के घटकों का एक प्रमुख केंद्र है।

पीतल के बिलेट्स और सिल्लियों के साथ-साथ पीतल की छड़ों और प्लंबिंग घटकों का निर्माण यूनिट-I में किया जाता है, जो 4970 वर्ग मीटर के भूमि क्षेत्रफल में स्थित है। यूनिट-II, जो 3629 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है, जिसका उपयोग पीतल से बने सैनिटरी पार्ट्स के निर्माण के लिए किया जाता है। यूनिट-III, 3346 वर्ग मीटर के भूमि क्षेत्र पर स्थित है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से स्क्रैप को अलग करने के लिए किया जाता है। तीन सौ छियालीस वर्ग मीटर का उपयोग मुख्य रूप से स्क्रैप को अलग करने के लिए किया जाता है। कंपनी भारत में लगभग 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने उत्पाद बेचती है, जिनमें से अधिकांश राजस्व गुजरात से आता है। कंपनी के उत्पाद चीन, जर्मनी, बेल्जियम और ओमान जैसे देशों में निर्यात किये जाते हैं।

वित्त वर्ष 2026 में 'रत्नवीर प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड' का कर पश्चात शुद्ध लाभ 37.33 फीसदी बढ़कर हुआ 64.30 करोड़ रुपए

जयपुर। बिजनेस रेमेडीज

गुजरात के बड़ोदरा आधारित 'रत्नवीर प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड' स्टेनलेस स्टील वॉशर का अग्रणी निर्माता एवं निर्यातक है। कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष 2026 के वार्षिक वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं। 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी का कुल राजस्व गत वित्त वर्ष की समान अवधि में अर्जित राजस्व के मुकाबले 20.37 फीसदी बढ़कर 1078.41 करोड़ रुपए और कर पश्चात शुद्ध लाभ 37.33 फीसदी बढ़कर 64.30 करोड़ रुपए रहा है।

कारोबारी गतिविधियां: 'रत्नवीर प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड' देश में स्टेनलेस स्टील वॉशर का अग्रणी निर्माता एवं निर्यातक है और कंपनी के 3500 से ज़्यादा एसकेयू हैं। 20 से ज़्यादा वर्षों की विशेषज्ञता के साथ, कंपनी उच्च-मूल्य वाले वॉशर डिज़ाइन और निर्माण के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर रही है। कंपनी ने ऑटोमोटिव, रेलवे, फार्मास्यूटिकल्स, एयरोस्पेस, निर्माण और अन्य उद्योगों के ओईएम के साथ साझेदारी की है और दुनिया भर के 31 से ज़्यादा देशों को निर्यात कर रही है। कंपनी देश से 3500 से अधिक प्रकार के उच्च मूल्य वर्धित वॉशर का निर्यात करने वाली प्रमुख कंपनी है। फॉर्च्यून 500 कंपनियों में 'रत्नवीर प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड' का नाम शामिल है। कंपनी के उत्पादछ वैश्विक ओईएम द्वारा कठोरता से परीक्षण और अनुमोदित हैं और 89 वैश्विक भागीदारों के माध्यम से दुनिया भर में वितरित होते हैं। कंपनी की सभी इकाइयां सौ फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित हो रही हैं।

सेंसेक्स 49 अंक बढ़कर हुआ बंद

मुंबई | एजेंसी

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जिससे लगातार चार दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला टूट गया। इस दौरान, सेंसेक्स 49.74 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 33.05 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 23,412.60 पर बंद हुआ।

गिरावट के कारण शेयर बाजार में स्टॉक-स्पेसिफिक खरीदारी का मूड

दिनांक 13.05.2026 पर निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 23481 पॉइंट पर :-

अगले कारोबार के लिए संभवित निफ्टी फ्यूचर 23303 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 23505 – 23606 अंक को छू सकता है निफ्टी फ्यूचर में प्रतिकूलात्मक के लिए 23232 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....!!!

निखिल भट्ट
(इन्वेस्टमेंट पॉईंट)

अब नजर डालते हैं फ्यूचर्स स्टॉक सम्बंधित मूवमेंट पर...!!

ग्रासिम लिमिटेड (2959) :- सीमेंट एंड सीमेंट प्रोडक्ट्स सेक्टर की इस अग्रणी कंपनी के शेयर की कीमत फिलहाल 2909 रुपये के आसपास है। 2880 रुपये के सख्त स्टॉपलॉस के साथ यह स्टॉक 2978 से 2993 रुपये के आसपास इस शेयर का मूल्य स्तर दर्ज होने की संभावना है...!! 3003 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!

ल्यूपिन लिमिटेड (2229) :- तकनीकी चार्ट के अनुसार 2193 रुपये के आसपास सकारात्मक ब्रेकआउट!! 2180 रुपये के सपोर्ट से खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 2247 रुपये से 2260 रुपये के आसपास मूल्य स्तर दर्ज करने की संभावना है...!!

अदानी पोर्ट्स (1748) :- पोर्ट एंड पोर्ट सर्विस सेक्टर के शेयर में 1763 रुपये से 1770 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा, 1713 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

अरबिंदो फार्मा (1503) :- इस शेयर को 1523 रुपये के आसपास ओवरबोट स्थिति दर्ज करते हुए बिकवाली की संभावना के साथ इसकी कीमत 1494 रुपये से 1487 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास की संभावना है...!!! 1530 रुपये के स्तर पर एक तेजी का माहोल..!!

सिप्ला लिमिटेड (1333) :- फार्मा सेक्टर का यह स्टॉक 1360 रुपये के स्टॉपलॉस के साथ बेचकर 1317 रुपये से 1308 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास की संभावना है...!!

एचसीएल टेक्नोलोजी (1142) :- कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और कंसल्टिंग सेक्टर के इस शेयर को करीब 1163 रुपये स्टॉपलॉस के साथ बेचकर 1127 रुपये से 1115 रुपये का मूल्य स्तर दर्ज होने की संभावना है। ट्रेडिंग के लिए 1170 रुपये का सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

इनफोसिस लिमिटेड (1125) :- इस शेयर को करीब 1144 रुपये का स्टॉपलॉस के साथ बेचकर मूल्य स्तर प्राइस 1108 रुपये से लेकर 1096 रुपये तक रहने की संभावना है। 1160 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!!

नोटः शेयरों में निवेश करने से पूर्व निवेशको को वित्तीय सलाहकार की सलाह लेनी चाहिए।

यूटीआई लार्ज कैप फंड

फंड की शुरुआत में लगाए गए 10 लाख रुपये, 30 अप्रैल 2026 तक बढ़कर 24.86 करोड़ रुपये हो गए

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

यूटीआई लार्ज कैप फंड भारत का पहला इक्विटी-उन्मुख फंड है, जिसकी शुरुआत अक्टूबर 1986 में हुई थी। यह फंड पिछले 38 वर्षों से अधिक समय से निवेशकों के लिए संपत्ति निर्माण का मजबूत रिकॉर्ड रखता है। यूटीआई लार्ज कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो मुख्य रूप से अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त रखने वाली बड़ी कंपनियों में निवेश करती है। यह स्टॉक चयन के लिए 'ब्लेंड' निवेश शैली अपनाता है।

यानी यह रणनीति ग्रोथ और वैल्यू – दोनों प्रकार के शेयरों का संतुलित मिश्रण तैयार करती है, जिससे हर मौसम में बेहतर प्रदर्शन करने वाला इक्विटी पोर्टफोलियो बनाने का प्रयास किया जाता है।

फंड का उद्देश्य ऐसी कंपनियों में निवेश करना है, जिनकी बुनियाद मजबूत हो, कर्ज नियंत्रित हो, राजस्व वृद्धि लगातार बनी रहे, लाभप्रदता पर फोकस हो, पूंजी लागत की तुलना में बेहतर रिटर्न हो और जिनका ऑपरेटिंग कैश फ्लो लगातार मजबूत बना रहे। ऐसी कंपनियाँ भविष्य के विस्तार के लिए फ्री कैश फ्लो उत्पन्न कर सकती हैं और मौजूदा शेयरधारकों की हिस्सेदारी के कमजोर पड़ने से बचा सकती हैं।

अपनी 'ब्लेंड' निवेश रणनीति के तहत यूटीआई लार्ज कैप फंड उन कंपनियों में निवेश कर सकता है, जिनके पास मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता हो और जहाँ:

बाजार कंपनियों की दीर्घकालिक विकास क्षमता या उनकी कीमतों पर नियंत्रण (Pricing Power) की क्षमता को कम आंक रहा है।

अनुकूल मांग चक्र, बाजार एकीकरण, नियामक बाधाओं के हटने या कंपनी-विशिष्ट कारकों जैसे लागत दक्षता के कारण विकास की गति में सुधार हो रहा है।

व्यवसाय में अधिक पूँजी की आवश्यकता है, लेकिन कंपनियाँ सावधानी से निवेश करती हैं और कुशलतापूर्वक काम करती हैं।

- कंपनियों के पास उच्च RoCE (पूँजी पर रिटर्न) पर कैश फ्लो को दोबारा निवेश करने के अवसर हैं।
- उस विशेष सेक्टर के भीतर अन्य कंपनियों की तुलना में वैल्युएशन आकर्षक है।

यह रणनीति निवेशकों को गुणवत्तापूर्ण कंपनियों के पोर्टफोलियो के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करती है।

फंड के पोर्टफोलियो में प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं जैसे: एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इंफोसिस लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, भारती एयरटेल लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, एक्सिस बैंक लिमिटेड और इटरनल लिमिटेड। शीर्ष 10 शेयरों की पोर्टफोलियो में लगभग 50 हिस्सेदारी है।

30 अप्रैल 2026 तक ओवरवेट (अधिक निवेश): कंज्यूमर सर्विसेज, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT), कंस्ट्रक्शन और रियल्टी। अंडरवेट (कम निवेश): पावर, एफएमसीजी (FMCG), हेल्थकेयर, ऑयल, गैस और कंज्यूमेबल फ्यूल, और मेटल्स एंड माइनिंग।

30 अप्रैल 2026 तक फंड का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM) 12,052 करोड़ रुपये से अधिक था। फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि और/या आय वितरण हासिल करना है। यह फंड अनुशासित निवेश रणनीति का पालन करता है और अपनी शुरुआत से अब तक हर वर्ष लाभांश वितरण की परंपरा बनाए हुए है। यूटीआई लार्ज कैप फंड अब तक लगभग 4,500 करोड़ रुपये का कुल लाभांश वितरित कर चुका है।

INDEX		Above / Below	Conf.		Normal Target		On Trending times.		
				T1	T2	T3	T4	T5	T6
NIFTY Spot	For BUY Above	23,464	23,495	23,521	23,546	23,582	23,604	23,680	23,762
	For SELL Below	23,362	23,331	23,305	23,279	23,243	23,221	23,146	23,063
Bk.Nifty Spot	For BUY Above	53,604	53,696	53,770	53,844	53,950	54,014	54,232	54,472
	For SELL Below	53,308	53,218	53,142	53,068	52,963	52,899	52,680	52,441

Data based on Previous day closing — Source: VAISHALI KALA

आंध्र प्रदेश के डिब्बापालेम में अदाणी फाउंडेशन ने लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए सायंकालीन शिक्षा केंद्र शुरू किया

आंध्र प्रदेश|बिज़नेस रेमेडीज

अदाणी सीमेंट के गंगावरम यूनिट के निकट, अदाणी फाउंडेशन आंध्र प्रदेश के डिब्बापालेम में बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर सशक्त बना रहा है। इसके लिए गांव के सरकारी स्कूल में अदाणी इवनिंग एजुकेशन सेंटर (एईईसी) की स्थापना की गई है। यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों पर केंद्रित है, ताकि वे चुनौतियों को पार कर अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को हासिल कर सकें।

डिब्बापालेम के सरकारी कॉलेज की छात्रा रोहिणी ने जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया। कक्षा 7 में पढ़ाई के दौरान उनके पिता का निधन हो गया था और उनकी मां तीन बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए दिहाड़ी मजदूरी करती थीं। आर्थिक तंगी के कारण रोहिणी को अपनी पढ़ाई छोड़ने तक का विचार करना पड़ा। हालांकि, गांव के सरकारी स्कूल में संचालित एईईसी के बारे में जानकारी मिलना उनके जीवन का अहम मोड़ साबित हुआ। केंद्र से मिले मार्गदर्शन और सहयोग की बदौलत रोहिणी ने न केवल अपनी पढ़ाई जारी रखी, बल्कि शानदार प्रदर्शन करते हुए कक्षा 10 में 540 अंक हासिल किए। वर्तमान में वह पॉलीटेक्निक कोर्स कर रही हैं।

रोहिणी की मित्र लक्ष्मी और गांव व आसपास के क्षेत्रों की कई अन्य छात्राओं को भी एईईसी से लाभ मिला है। इस कार्यक्रम की मदद से स्कूल का पास प्रतिशत मात्र तीन वर्षों में 35त्न से बढ़कर 93 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो निरंतर शैक्षणिक सहयोग के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है।

एईईसी जैसी पहलों के माध्यम से अदाणी फाउंडेशन रोहिणी जैसी छात्राओं को कठिनाइयों से उबरने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने समुदाय में दूसरों को प्रेरित करने का अवसर दे रहा है। यह कार्यक्रम न केवल व्यक्तिगत शैक्षणिक सफलता को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा, सशक्तिकरण और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की नई संस्कृति भी तैयार कर रहा है।

किसानों के उत्थान के लिए सरकार कर रही है निरंतर कार्य : जोगाराम

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ग्राम रथ अभियान, कला जत्था एवं संध्या चौपाल कार्यक्रम में मंगलवार को राजस्थान सरकार के विधि एवं संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई एवं संध्या चौपाल में शिरकत की।

प्रभारी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास एवं किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने 23 से 25 मई 2026 तक जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अधिकाधिक किसानों एवं ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि कृषक नवीन तकनीकों, योजनाओं एवं विभागीय सुविधाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान कृषि, पशुपालन, सिंचाई, विद्युत, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। कृषकों द्वारा फसल सुरक्षा, सिंचाई सुविधा, कृषि अनुदान एवं विभागीय योजनाओं से संबंधित समस्याएं रखी गई, जिनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान रामचरण बोहरा, उपेन यादव, आलोक बेनीवाल, सुरेश बादलीवाल, विशाल पार्थ एवं ताराचंद चौधरी, उपखंड अधिकारी चौमूं दिलीप सिंह राठौड़, विकास अधिकारी सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारी, ग्रामीण एवं कृषक उपस्थित रहे।

जैव-उर्वरकों से कृषि क्षेत्र के उत्सर्जन में 40 प्रतिशत तक कमी संभव : FAI DG

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

द फर्टिलाइज़र एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FAI) के महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि जैव-उर्वरकों में भारत की आयातित रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की बड़ी क्षमता है। पोर्ट ब्लेयर में आयोजित FAI के प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कृषि स्थिरता के लिए जैव-उर्वरक' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पोषक तत्वों की पूर्ति में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी जैव-उर्वरकों की हो, तो खेतों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसों के उच्च ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव को देखते हुए जैव-उर्वरकों का उपयोग जलवायु परिवर्तन से निपटने में भूमिका निभा सकता है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों, जैव-उर्वरकों और जैविक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर आधारित 'इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट' ही मिट्टी की सेहत और दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता बनाए रखने का वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तरीका है। उन्होंने बताया कि देश में पिछले छह दशकों से चल रहे दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों ने इस तथ्य को साबित किया है। उन्होंने उद्योग जगत से तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की अपील की - उत्पादन क्षमता बढ़ाना, निर्माण से लेकर किसानों तक गुणवत्ता बनाए रखना और विभिन्न क्षेत्रों की मिट्टी एवं जलवायु के अनुसार विशेष सूक्ष्मजीवी फॉर्मुलेशन विकसित करना।

उन्होंने कहा कि जैव-उर्वरकों की प्रभावशीलता क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों पर निर्भर करती है, इसलिए इनके लिए एक समान मॉडल कारगर नहीं हो सकता।

वेदांता चेयरमैन ने भारत की आयात निर्भरता कम करने के लिए पीएसयू के निजीकरण और उद्योगों पर भरोसा बढ़ाने की वकालत की

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

वेदांता चेयरमैन ने भारत की आयात निर्भरता कम करने के लिए पीएसयू के निजीकरण और उद्योगों पर भरोसा बढ़ाने की वकालत की । 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी मुद्रा बचाने की अपील का समर्थन करता हूँ। इस संकट और अनिश्चितता के दौर में यह बहुत जरूरी है।' इसे करने के दो रास्ते हैं, पहला - हम consumption कम करें और दूसरा - production बढ़ाएँ। प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी चिंता तेल और सोना हैं, जो हमारे कुल आयात का 30 प्रतिशत से भी ज्यादा हैं। अगर हम जमीन के नीचे से निकलने वाले अन्य संसाधनों को भी जोड़ दें, तो यह आंकड़ा 50 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। लेकिन हमारी geology और हमारे पास जो मौजूदा assets हैं, उन्हें देखते हुए हम बहुत कम समय में उत्पादन को बड़े स्तर पर बढ़ा सकते हैं। अतीत में भी ऐसा हुआ है। इसके लिए बस दो चीजों की जरूरत है : privatisation और clearances में self-certification. कुल मिलाकर below-the-ground sector में ऐसी 24 PSUs हैं जिनका privatisation किया जा सकता है, और इससे उत्पादन में कई गुना बढ़ोतरी होगी। HZL (जिसमें सरकार की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है) और BALCO (जहाँ सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है) जैसी कंपनियों का privatisation पूरा होने से उत्पादन और रोजगार के ढेरों अवसर पैदा होंगे। 2002 में जब वेदांता ने HZL को खरीदा था, तब भारत जिंक के लिए आयात पर निर्भर था। लेकिन आज उन्हीं assets के साथ हम आत्मनिर्भर हैं। हमने R&D किया और silver और lead का उत्पादन शुरू किया, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। और अब हम rare earths के उत्पादन की दिशा में भी R&D कर रहे हैं। Aluminium में भी जहाँ उत्पादन सिर्फ 1 लाख टन था, आज हम 60 लाख टन पैदा करने की राह पर हैं। मुझे 100 प्रतिशत विश्वास है कि भारत अपने मौजूदा assets से घरेलू स्तर पर ही इतने संसाधन पैदा कर सकता है कि ज़्यादातर आयात की ज़रूरत ही न पड़े।

प्राकृतिक हीरा उद्योग में भारत की भूमिका मजबूत : किरीट भंसाली

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज। प्राकृतिक हीरा उद्योग में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को रेखांकित करते हुए जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि भारत आज विश्व स्तर पर डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। इसके साथ ही देश तेजी से विकसित हो रहे डायमंड ज्वेलरी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग उपभोक्ताओं के विश्वास को और मजबूत बनाने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने तथा वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि प्राकृतिक हीरों की विश्वसनीयता और स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके।

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भवानी सिंह शेखावत द्वारा प्रस्तावित मार्बल खनन परियोजना (ML No.-1001/1988 क्षेत्र 1 है) उत्पादन क्षमता- 150000 टन प्रतिवर्ष स्थित ग्राम कलसी काला गुआड़ा, तह-थानागाजी, जिला अलवर को पर्यावरणीय स्वीकृति SEIAA राजस्थान द्वारा ई.सी. पहचान सं.- EC26C0108 RJ5316990N दिनांक 13.05.2026 को जारी की गई है। उक्त स्वीकृति की प्रतिलिपि MOFF&CC के PARIVESH पोर्टल पर जनसाधारण के अवलोकनार्थ उपलब्ध है।

भवदीय-भवानी सिंह शेखावत

यूपी पर्यटन को ग्लोबल पहचान दिलाने की तैयारी

लखनऊ| एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है। पर्यटन निदेशालय में आयोजित बैठक में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियां आपदा में अवसर साबित हो सकती हैं।

Notice of Loss of Share Certificate of Sunrakshakk Industries India Limited
(Formerly known as A.K. Spintex Limited.)

Notice is hereby given that the following Share Certificate(S) of Sunrakshakk Industries India Limited (Formerly Known as A.K. Spintex Limited has/have been reported lost/misplaced and has/have been applied to the company for issue of duplicate share certificate

S.N	Folio No.	Name of Holder	Certificate No.	No. of Shares	Distinctive Nos. From	Distinctive Nos. To
1	7213	Ravindra Jain	35851-35855 27990	500 100	3444951 2682901	3445450 2683000
				600		

Any person(s) who has/have any claim(s) in respect of the said Share Certificates should lodge such claim(s) with the share départment of the Company, Sunrakshakk Industries India Limited at its registered office at the address 14, Km Stone, Chittorgarh Road, Bilia Kalan, Bhilwara - 311001 (Rajasthan) within 15 days of the publication of this NOTICE, after which no claim will be entertained and the company will proceed to issue the duplicate share certificate (s).

Place: Bhilwara
Date: 14-05-2026

SD/-
NAME OF SHAREHOLDER

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA. THERE WILL BE NO OFFERING OF EQUITY SHARES IN THE UNITED STATES.

INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF THE STOCK EXCHANGES IN COMPLIANCE WITH THE CHAPTER II OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED (SEBI ICDR REGULATIONS)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

RAMBHAJO

ADVIT JEWELS LIMITED

Our Company was incorporated in Jaipur, Rajasthan as **"Advit Jewels Private Limited"**, a private limited company under the Companies Act, 2013, pursuant to a certificate of incorporation dated October 29, 2019, issued by Registrar of Companies, Central Registration Centre, Manesar. Thereafter, our Company was converted from a private limited company to a public limited company under the provisions of the Companies Act, 2013, pursuant to a resolution passed in the extraordinary general meeting of our Shareholders held on April 16, 2025, and consequently, the name of our Company was changed to **"Advit Jewels Limited"**. A fresh certificate of incorporation consequent upon conversion from private company to public company dated April 30, 2025, was issued by the Registrar of Companies, Jaipur bearing Corporate Identification Number **"U36910RJ2019PLC066804"**.

Registered Office: Flat No. 301, Pearl Premier, Plot No. 4, Jamna Lal Bajaj Marg, C-scheme, Jaipur, Rajasthan, India - 302001
Corporate Office: Flat No 201 and Basement Pearl Premier, Plot No 4 Jamna Lal Bajaj Marg, C-Scheme, Ashok Nagar, Jaipur, Rajasthan, India, 302001
Tel. No.: 9216035990, **E-mail:** cs@advitjewels.com, **Website:** www.rambhajo.com; **Contact Person:** CS Pratibha Soni, Company Secretary and Compliance Officer, **CIN:** U36910RJ2019PLC066804

NOTICE TO INVESTORS ("NOTICE")

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 1,19,68,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF ADVIT JEWELS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "COMPANY" OR "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE), AGGREGATING TO ₹ [•] LAKHS ("THE ISSUE"). THE ISSUE WILL CONSTITUTE [•] % OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

This Notice is with reference to the Draft Red Herring Prospectus dated September 30, 2025 ("DRHP") filed by our Company with the SEBI and the Stock Exchanges.

Potential bidders may note the following:

The Company, in consultation with the BRLM has undertaken the Pre-IPO Placement of 18,32,000 Equity Shares at a Price of ₹ 125/- per Equity Share (including premium of ₹ 115/- per Equity Share) for an amount aggregating to ₹ 22,90,00,000, by way of a private placement in accordance with Section 42 and 62 of the Companies Act, 2013 read with Companies (Prospectus and Allotment of Securities) Rules, 2014 and Companies (Share Capital and Debentures) Rule 2014, each as amended.

The Pre-IPO Placement has been undertaken pursuant to the approval by the Board and Shareholders in their meeting held on **May 01, 2026** and **May 04, 2026** respectively.

The Company has allotted Equity Shares in the Pre-IPO Placement pursuant to the resolution passed by the Board in its meeting held on May 13, 2026, in the manner set forth below:

Date of Allotment	Name of the Allottee	Number of Equity Shares Allotted	Issue price per Equity Share	Total Consideration (in Rs.)	Whether connected to Company, if yes, provide the details
May 13, 2026	Rajasthan Venture Capital Fund	240,000	125/-	3,00,00,000	No
	Ankita Jain	60,000		75,00,000	No
	Akshit Aggarwal	48,000		60,00,000	No
	Alka Bhandari	40,000		50,00,000	No
	Apoorv Agarwal	40,000		50,00,000	No
	Apratim Kumar Yadav	40,000		50,00,000	No
	Coalsale Company Limited	40,000		50,00,000	No
	Deen Dayal Malpani	40,000		50,00,000	No
	Devraj Soni	40,000		50,00,000	No
	Diksha Agarwal	40,000		50,00,000	No
	Indira Capital Advisors	40,000		50,00,000	No
	Jahnavi Aggarwal	40,000		50,00,000	No
	Kavita Ladha	40,000		50,00,000	No
	Lokesh Goyal	40,000		50,00,000	No
	Madhur Bhandari	40,000		50,00,000	No
	Madhushree Kejriwal	40,000		50,00,000	No
	Manish Aggarwal	40,000		50,00,000	No
	Manish Gupta	40,000		50,00,000	No
	Manju Anil Tosniwal	40,000		50,00,000	No
	Manoj Agarwal	40,000		50,00,000	No
	Manoj Soni	40,000		50,00,000	No
	Nitin Agarwal	40,000		50,00,000	No
	Nupur Lohia	40,000		50,00,000	No
	Radhika Goyal	40,000		50,00,000	No
	Raghav Maheshwari	40,000		50,00,000	No
	Rajeev Agarwal	40,000		50,00,000	No
	Rajesh Rathi	40,000		50,00,000	No
	Rohit Gangwal	40,000		50,00,000	No
	Shraddha Bilya	40,000		50,00,000	No
	Sneh Lata Malpani	40,000		50,00,000	No
	Vardan Signature Growth Fund	40,000		50,00,000	No
	Vikas Chand Jain	40,000		50,00,000	No
	Vikas Jain	40,000		50,00,000	No
	Shreya Chetan Doshi	32,000		40,00,000	No
	Anshul Golecha	20,000		25,00,000	No
	Deepankar Jain	20,000		25,00,000	No
	Dilip Hirji Haria	20,000		25,00,000	No
	Kanu Maheshwari	20,000		25,00,000	No
	Marudhar Ventures LLP	20,000		25,00,000	No
	Nishant Chhabra	20,000		25,00,000	No
	Prateek Pitliya HUF	20,000		25,00,000	No
	Prateek Sharma	20,000		25,00,000	No
	Radha Govind Soni	20,000		25,00,000	No
	Vasudha Manihar	20,000		25,00,000	No
	Anubhav Garg	12,000		15,00,000	No
	Jashh Sanjay Lohia	12,000		15,00,000	No
	Jitendra Agrawal	12,000		15,00,000	No
	Naresh Kumar Karwa	8,000		10,00,000	No
	Shiv Ratan Maheshwari	8,000		10,00,000	No
	Total	**18,32,000**		**22,90,00,000**	

NOTE:

1. *There are no allottees who are, in any manner, connected with the Company, the Promoters, members of the Promoter Group, the Directors, the Key Managerial Personnel, the Group Companies and their directors and KMPs.*
Please note that the Equity Shares issued pursuant to the Pre-IPO Placement, being the pre-issue equity share capital shall be subject to lock-in, in accordance with Regulation 17 of SEBI ICDR Regulations.
2. *Our Company has appropriately intimated the aforementioned allottees, prior to allotment pursuant to the Pre-IPO Placement that there is no guarantee that our Company may proceed with the Issue and that the Issue may be successful and will result into listing of the Equity Shares on the Stock Exchanges.*
This advertisement is issued in accordance with SEBI's correspondence dated **July 04, 2023**.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPLIANCE OFFICER
HOLANI CONSULTANTS PRIVATE LIMITED 401-405 & 416-418, 4th Floor, Soni Paris Point, Jai Singh Highway, Bani Park, Jaipur – 302016; **Tel No.:** +91 0141-2203996; **Email:** ipo@holaniconsultants.co.in; **Website:** www.holaniconsultants.co.in **Contact Person:** Mrs. Payal Jain **SEBI Registration No.:** INM000012467 **Investor Grievance E-mail:** complaints.redressal@holaniconsultants.co.in	**BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED** Office No, S6-2, 6th Floor, Pinnacle Business Park, Next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Mumbai – 400093 **Tel:** +91 22-6263 8200 **Website:** www.bigshareonline.com **Email:** ipo@bigshareonline.com **Investor Grievance ID:** investor@bigshareonline.com **Contact Person:** Mr. Babu Rapheal C **SEBI Registration Number:** INR000001385	**Pratibha Soni** Flat No. 301, Pearl Premier, Plot No. 4, Jamna Lal Bajaj Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan, India, 302001 **Email:** cs@advitjewels.com Investors can contact the Registrar to the Issue or Company Secretary and Compliance Officer in case of any pre or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of Allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders, non-receipt of funds by electronic mode and unblocking of funds. For all Issue related queries and for redressal of complaints, investors may also write to BRLMs.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in DRHP.

For and on behalf of
Advit Jewels Limited
Sd/-
Pratibha Soni
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Jaipur
Date: 13.05.2026

ADVIT JEWELS LIMITED is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offer of its Equity Shares and has filed the DRHP with SEBI. The DRHP is available on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the Stock Exchanges i.e., BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com, respectively and the websites of the BRLMs, i.e., Holani Consultants Private Limited at www.holaniconsultants.co.in. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, see the section titled ***"Risk Factors"*** on page 36 of the DRHP filed with SEBI and the details set out in the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decision.

This announcement has been prepared for publication in India and may not be released in the United States. This announcement does not constitute an invitation or offer of securities for sale in any jurisdiction, including the United States. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act or any other applicable law of the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold outside the United States in offshore transactions in compliance with Regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sales occur.

CONCEPT

भारत व चिली के विदेश मंत्री ने भेंट कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत की

नई दिल्ली | एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को चिली के अपने समकक्ष फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना से मुलाकात की। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'सुबह चिली के विदेश मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना से मुलाकात सकारात्मक रही। दोनों देशों ने बाजारों और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने, प्राथमिकता वाले उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने और सर्विस इकोनॉमी को सुगम बनाने पर चर्चा की।'उन्होंने आगे कहा कि हमने बहुपक्षीय और बहु-देशीय मंचों पर मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई। मैकेना 9 मई से भारत की सात दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। पहले दिन ही नई दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यह यात्रा चिली और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत करने का शानदार अवसर होगी। हम अपनी साझेदारी को गहरा करने, व्यापार और निवेश के अवसरों का विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने चिली के विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ नाश्ते पर चर्चा की। बैठक के बाद गोयल ने कहा कि भारत और चिली ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर चल रही वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की और द्विपक्षीय व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि चिली गणराज्य के विदेश मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैकेना और चिली प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ नाश्ते पर अच्छी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हमने सीईपीए वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिली के साथ अपनी लंबे समय से चली आ रही मैत्रीपूर्ण साझेदारी को भारत पूरा महत्व देता है और साझा विकास एवं समृद्धि के लिए आर्थिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत चिली के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। हम साझा विकास और समृद्धि के लिए आर्थिक जुड़ाव और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने को प्रतिबद्ध है। यह चर्चा ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निर्यात बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के उद्देश्य से प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ कई समझौतों को आगे बढ़ा रहा है।

चीन दौरे से पहले ट्रंप ने शी जिनपिंग की तारीफ की, 'अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकत'

वाशिंगटन | एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन दौरे पर रवाना होने से पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपने रिश्तों की तारीफ की और कहा कि उन्हें इस यात्रा के दौरान बेहतरीन मुलाकात की उम्मीद है। ईरान संकट, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। व्हाइट हाउस से चीन रवाना होने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतें हैं और दोनों देशों के बीच रिश्ते 'मजबूत और स्थिर' हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे संबंध शानदार हैं। हम हमेशा अच्छी तरह साथ रहे हैं और चीन के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है।'

ट्रंप ने संकेत दिया कि इस शिखर वार्ता में व्यापार सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। उन्होंने कहा, कि हम दोनों सुपरपावर हैं और कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है। सबसे ज्यादा फोकस व्यापार पर रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी खुलासा किया कि शी जिनपिंग इस साल के अंत तक अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति शी इस साल के आखिर में अमेरिका आएंगे। यह भी काफी रोमांचक होगा। ईरान संकट पर भी ट्रंप ने चीन की संभावित भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर शी जिनपिंग इस मामले में मदद कर सकते हैं, तो उसका स्वागत होगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि ईरान सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है। या तो वे सही रास्ता अपनाएंगे या हम बाकी काम पूरा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-चीन आर्थिक संबंधों को दोनों देशों के लिए फायदेमंद बताया। उन्होंने कहा कि हम चीन के साथ बहुत बड़ा व्यापार करते हैं। हम भी फायदा उठा रहे हैं और चीन भी। हमारे रिश्ते अच्छे हैं। अपनी यात्रा के मकसद पर ट्रंप ने कहा कि यह दौरा सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन के हिसाब से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिका को दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य ताकत बताते हुए कहा कि चीन को दूसरा सबसे शक्तिशाली देश माना जाता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के रिश्तों में व्यापार, तकनीक, ताइवान, सप्लाई चेन और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर कई मतभेद रहे हैं।

शिकाजे अंतरराष्ट्रीय भूमि बंदरगाह पर आयात-निर्यात की मात्रा में पहली तिमाही में 1.5 गुना वृद्धि

बीजिंग | एजेंसी

ल्हासा कस्टम के अनुसार, शीत्सांग के शिकाजे अंतर्राष्ट्रीय भूमि बंदरगाह पर इस वर्ष की पहली तिमाही में आयात और निर्यात माल ढुलाई की मात्रा 1.5 गुना वृद्धि के साथ 355 टन तक पहुंची। अगस्त 2024 में पहली खेप के सीमा शुल्क निकासी के बाद से बंदरगाह के विकास की गतिज ऊर्जा लगातार मजबूत होती जा रही है और यह एक 'चैनल नोड' से 'सेवा मंच' में परिवर्तित हो रहा है। शीत्सांग के बाहरी दुनिया के लिए खुलने के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में, शिकाजे अंतर्राष्ट्रीय भूमि बंदरगाह ने 'एक बंदरगाह से कई बंदरगाहों को जोड़ने' का एक नया खुला मॉडल स्थापित किया है।

ल्हासा कस्टम ने 'भूमि बंदरगाह घोषणा, स्थानीय निरीक्षण और सीधे बंदरगाह तक पहुंच' मॉडल को बढ़ावा दिया है, और चांगमू और लिजी जैसे बंदरगाहों से जुड़कर 'एक बार घोषणा, एक बार निरीक्षण और वन-स्टॉप सेवा' हासिल की है, जिससे सीमा शुल्क निकासी दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस बीच, कस्टम ने पहाड़ी जौ उत्पाद, तिब्बती कालीन और तिब्बती अगरबत्ती सहित 10 स्थानीय विशिष्ट उद्यमों को बंदरगाह में स्थापित होने के लिए आकर्षित किया है। और औद्योगिक एकत्रीकरण का प्रभाव उबरना शुरू हो गया है। पठार क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने के लिए, ल्हासा कस्टम सक्रिय रूप से उद्यमों की सेवा कर रहा है, उन्हें बौद्धिक संपदा अधिकारों के सीमा शुल्क पंजीकरण में सहायता प्रदान कर रहा है और उत्पाद पैकेजिंग में सुधार कर रहा है। इस वर्ष मार्च में, शिकाजे शहर के नानमुलिंग काउंटी में स्थित न्येनश्योंग कृषि उत्पाद विकास कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित 1,350 किलोग्राम मटर वर्मीसेली पहली बार नेपाल को निर्यात की गई, जो स्थानीय विशिष्ट कृषि उत्पादों के निर्यात में एक नई उपलब्धि है।

ईरान के उप विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली | एजेंसी

ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम घरीबाबादी बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंचे। उनका स्वागत विदेश मंत्रालय में पश्चिमों मामलों के सचिव सिबी जॉर्ज ने किया। दोनों के बीच उच्चस्तरीय बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर घरीबाबादी के साथ तस्वीरें शेयर की गईं। पोस्ट के अनुसार दोनों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रम भी शामिल थे। भारत-ईरान के रिश्ते आपसी समझबूझ, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और रणनीतिक विश्वास पर टिके हैं। यही वजह है कि 28 फरवरी से अब तक विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से कई बार फोन पर बात की है। फरवरी के आखिर में तेहरान समेत ईरान के दूसरे शहरों पर अमेरिका-इजरायल ने संयुक्त हवाई हमला किया था। पिछले महीने, जयशंकर को अराघची की ओर से फोन आया था, जिस दौरान दोनों मंत्रियों ने वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष के साथ-साथ बाइलेटरल रिश्तों पर 'विस्तृत बातचीत' की थी। इसकी जानकारी जयशंकर ने 29 अप्रैल को एक्स पोस्ट पर दी थी। उन्होंने लिखा, ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने मुझे शाम को कॉल किया। वर्तमान हालात पर उनसे विस्तृत बातचीच हुई। हमने एक दूसरे के संपर्क में रहने पर सहमति जताई। बाद में ईरानी दूतावास ने भी बताया कि दोनों के बीच संघर्ष विराम, द्विपक्षीय संबंधों के साथ ही क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन वार्ता हुई। 21 मार्च को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की और पश्चिम एशिया संकट पर अपनी चिंता से अवगत कराया। इस दौरान, पीएम मोदी ने इलाके में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए हमलों की निंदा की और शिपिंग लेन को खुला, सुरक्षित रखने के साथ-साथ नौवहन की सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। दोनों नेताओं ने इससे पहले 12 मार्च को भी बात की थी। पीएम मोदी ने 'डिप्लोमेसी और डायलॉग' के जरिए मामले को सुलझाने की जरूरत पर बल दिया था। फिलहाल दिल्ली पहुंचे घरीबाबादी की बात करें तो वो ईरान के वरिष्ठ राजनयिक हैं और अक्सर अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों, मानवाधिकार और क्षेत्रीय कूटनीति से जुड़े मुद्दों में ईरान का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े सुरक्षा और ऊर्जा मुद्दे अंतरराष्ट्रीय चर्चा में बने हुए हैं। भारत-ईरान संवाद, ब्रिक्स और क्षेत्रीय कूटनीतिक मंचों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीमा/बैंकिंग/ज्वैलरी

Emerging Entrepreneur

करीइट के संस्थापक ऋचा शर्मा और निश्चल कंडुला का सफर

तेजी से बढ़ने वाला इंडियन कन्वीनियंस फूड ब्रांड लॉन्च कर बनाया मुकाम

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

तेजी से बढ़ने वाला इंडियन कन्वीनियंस फूड ब्रांड करीइट लॉन्च कर ऋचा शर्मा और निश चल कंडुला ने अपना मुकाम बनाया है। जब यह दोनों यस बैंक में साथ काम करते थे तब इंडियन कुकिंग में रोजाना आने वाली मुश्किलों पर बात करना शुरू किया, तो उन्होंने शहरी घरों में एक आम समस्या देखी। लोग अब भी घर का बना खाना पसंद करते थे, लेकिन पारंपरिक इंडियन खाना बनाने में समय, मेहनत और कुकिंग की जानकारी की जरूरत होती थी, जो अब कई लोगों के पास नहीं थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आखिरकार करीइट लॉन्च हुआ, जो वर्ष, 2020 में होमशेफ इंडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत दिल्ली का एक फूड स्टार्टअप है। इसके फाउंडर दोनों आईआईएम उदयपुर के पुराने स्टूडेंट हैं, उन्होंने कई सालों तक रीजनल इंडियन रेसिपी पर रिसर्च की और यह समझा कि क्वालिटी या स्वाद से समझौता किए बिना असली स्वाद को ज्यादा तेज और आसान तरीके से कैसे बनाया जा सकता है? कंपनी ने तेजी से बढ़ते कन्वीनियंस फूड मार्केट में असलीपन और क्लीन-लेबल कुकिंग पर साफ फोकस के साथ एंट्री की। बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड इंस्टेंट मील्स के बजाय करीइट ने रेडी टू कुक करी पेस्ट, इंस्टेंट वेट मसाला, बिरयानी मिक्स, दाल बेस, सूप और रीजनल इंडियन रेसिपी से प्रेरित रोजाना बनने वाले पेस्ट पेश किए। फाउंडर्स ने ब्रांड को प्रिजर्वेटिव-फ्री कुकिंग सॉल्यूशन के आस-पास रखा, जो कस्टमर्स को सब्जियां काटे बिना या मुश्किल मसालों के कॉम्बिनेशन को हैंडल किए बिना लगभग 15 मिनट में खाना बनाने में मदद कर सकता था। उनकी पैकेजिंग टेक्नोलॉजी और ऑटोक्लेव प्रोसेस ने प्रोडक्ट्स को लंबे समय तक फ्रेश बनाए रखने में मदद की, साथ ही आर्टिफिशियल प्रिजर्वेटिव और डिहाइड्रेटेड इंग्रीडिएंट्स से भी बचाया।

कंपनी ने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को 40 से ज्यादा एसकेयू तक बढ़ाया

शुरुआत में भरोसा बनाना आसान नहीं था, क्योंकि भारतीय कस्टमर खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों से बहुत जुड़े हुए हैं। ऋचा शर्मा और निश्चल कंडुला समझ गए थे कि पैकेज्ड करी प्रोडक्ट तभी सफल होंगे, जब वे घर के बने खाने जैसा स्वाद देंगे। उस भरोसे को मजबूत करने के लिए फाउंडर्स ने अपने प्रोडक्ट फॉर्मूलेशन को फाइनल करने से पहले पूरे भारत में घूमकर सीधे घरेलू किचन और शेफ से रेसिपी सीखीं। करीइट ने धीरे-धीरे ऑनलाइन मार्केटप्लेस, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म और डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर चैनलों के जरिए विस्तार किया, खासकर कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा परिवारों को टारगेट करते हुए जो असली स्वाद से समझौता किए बिना सुविधा चाहते हैं। जैसे-जैसे स्टार्टअप बढ़ा, कंपनी ने अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को 40 से ज्यादा एसकेयू तक बढ़ा लिया, जिसमें इंडियन ग्रेवी, बिरयानी, दाल और खाना पकाने की जरूरी चीजें शामिल थीं। बटर मसाला, चेट्टीनाड करी, हैदराबादी बिरयानी पेस्ट और जिंजर गार्लिक पेस्ट जैसे प्रोडक्ट ब्रांड के बढ़ते लाइनअप का हिस्सा बन गए। फाउंडर्स ने कंटेंट-ड्रिवन ब्रांडिंग और डिजिटल स्टोरीटेलिंग पर भी बहुत ज्यादा फोकस किया, जिससे करीइट को रेडी-टू-कुक कैटेगरी में बड़े एफएमसीजी कॉम्पिटिटर्स से अलग खड़ा होने में मदद मिली। कंपनी के बारे में रिपोर्ट्स से पता चला कि क्विक कॉमर्स ने इसकी रेवेन्यू ग्रोथ में एक बड़ा हिस्सा दिया, जो दिखाता है कि भारत में शहरी खाने की आदतें कितनी तेजी से बदल रही थीं।

पैकेज्ड फूड और क्विक कॉमर्स मार्केट में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है कंपनी

शार्क टैंक इंडिया सीजन 5 में आने के बाद करीइट ने पूरे देश में ध्यान खींचा। अपनी पिच के दौरान ऋचा शर्मा और निश्चल कंडुला ने हेल्दी और आसान खाने की बढ़ती मांग पर जोर दिया और बताया कि कंपनी आज के कंज्यूमर्स के लिए इंडियन कुकिंग को कैसे आसान बनाने की कोशिश कर रही है? फाउंडर्स ने शुरू में 1 परसेंट इक्विटी के लिए 60 लाख रुपए मांगे थे, जिससे कंपनी की वैल्यू 60 करोड़ रुपए हो गई। बातचीत के बाद उन्हें मिनिमलिस्ट के को-फाउंडर मोहित यादव से एक डील मिली, जिन्होंने लगभग 45 करोड़ रुपए की रिवाइज्ड वैल्यूएशन पर 1.5 करोड़ रुपए इन्वेस्ट किए। इस एपिसोड ने स्टार्टअप की विजिबिलिटी को काफी बढ़ाया और पूरे भारत में कंज्यूमर अवेयरनेस को बढ़ाने में मदद की। कंपनी अभी भी काम कर रही है और भारत के पैकेज्ड फूड और क्विक कॉमर्स मार्केट में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। करीइट ने मिडिल ईस्ट, कनाडा, सिंगापुर, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स जैसे मार्केट में इंटरनेशनल विस्तार को मजबूत करने के प्लान की भी घोषणा की है। इसकी एक्टिव प्रोडक्ट सेल्स, लगातार डिस्ट्रीब्यूशन ग्रोथ और लगातार मार्केट विस्तार इस बात की पुष्टि करता है कि बिजनेस एक्टिव रूप से काम कर रहा है और वर्ष, 2026 में अपने ब्रांड को बढ़ा रहा है।

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने लॉन्च किया '+1 इन योर मदरहुड जर्नी' कैंपेन, मातृत्व के हर पड़ाव में बनेगा साथी

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस (पूर्व में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने मदर्स डे के अवसर पर अपना नया कैंपेन '+1 इन योर मदरहुड जर्नी' लॉन्च किया है। यह कैंपेन एक बेहद संवेदनशील लेकिन अक्सर अनदेखे सच को सामने लाता है कि मातृत्व की शुरुआत बच्चे के जन्म से नहीं, बल्कि उस पल से होती है जब एक महिला मां बनने की इच्छा महसूस करती है। आज के दौर में जब फर्टिलिटी जर्नी आधुनिक परिवार निर्माण का अहम हिस्सा बनती जा रही है, यह कैंपेन गर्भधारण से पहले के भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक संघर्षों पर प्रकाश डालता है। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस इस पहल के जरिए मातृत्व को लेकर समाज की पारंपरिक सोच को नई दिशा देना चाहता है और हर कदम पर साथ निभाने वाले साझेदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करना चाहता है।

इस कैंपेन का मुख्य आकर्षण एक भावनात्मक फिल्म है, जिसकी कहानी एक फर्टिलिटी क्लिनिक में आधारित है। बेहद सरल लेकिन प्रभावशाली अंदाज में फिल्म एक महिला की प्रतीक्षा, उम्मीद, धैर्य और संघर्ष को दर्शाती है। वह अपने आसपास अन्य दंपतियों को मातृत्व और पितृत्व के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए देखती है। बिना ज्यादा संवादों के यह फिल्म उन भावनाओं को बखूबी सामने लाती है, जिनसे असिस्टेड रिप्रोडक्टिव जर्नी से गुजरने वाले लोग अक्सर अकेले जूझते हैं। इस कैंपेन की कल्पना और क्रिएटिव निष्पादन ब्रांड की क्रिएटिव एजेंसी पार्टनर सोचीर्स ने किया है, जिसने आधुनिक मातृत्व की भावनात्मक जटिलताओं को बेहद संवेदनशीलता और वास्तविकता के साथ प्रस्तुत किया है।

भारत में अनुमानित 1.46 करोड़ दंपति फर्टिलिटी संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद आईवीएफ जैसी प्रक्रियाओं पर खुलकर चर्चा कम ही होती है, क्योंकि सामाजिक झिझक, भावनात्मक दबाव और आर्थिक बोझ अक्सर लोगों को चुप रहने पर मजबूर कर देते हैं। इस कैंपेन के जरिये इन अनुभवों को मुख्यधारा में लाकर इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ऐसी चर्चाओं को सामान्य बनाने और वैकल्पिक तरीकों से माता-पिता बनने की इच्छा रखने वाले लोगों के साहस को सम्मान देने का प्रयास करता है। यह कैंपेन यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंकडइन समेत विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर चलाया जाएगा। मातृत्व की यात्रा केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि चिकित्सा और आर्थिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण होती है।इसे ध्यान में रखते हुए इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ऐसे हेल्थ इंश्योरेंस समाधान प्रदान करता है, जिनमें आईवीएफ, आईयूआई और एम्ब्रियो ट्रांसफर जैसी फर्टिलिटी ट्रीटमेंट्स का कवरेज शामिल है।

इस कैंपेन पर टिप्पणी करते हुए इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के प्रेसिडेंट एवं हेड-डिजिटल बिजनेस, मार्केटिंग और स्ट्रैटेजी तरुण खन्ना ने कहा कि मातृत्व किसी एक क्षण से परिभाषित नहीं होता, यह एक निर्णय से शुरू होकर हर कदम के साथ विकसित होता है। '+1 इन योर मदरहुड जर्नी' के माध्यम से हम इस पूरी यात्रा को पहचान और सम्मान देना चाहते हैं, खासकर उन पड़ावों को जो अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। हमारा प्रयास ग्राहकों को ऐसे समाधान देना है, जो उनकी बदलती जरूरतों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें और उन्हें केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और भरोसा भी प्रदान करें।

सर्राफा बाजार में सोना 9 हजार और चांदी 22 हजार रुपए महंगी

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी है। इस आदेश के बाद 13 मई को सर्राफा बाजार में सोना 9 हजार और चांदी 22 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 9,345 बढ़कर 1,60,977 रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 22,853 बढ़कर 2,87,720 रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5 प्रतिशत एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (AIDC) लगाया है।

'उम्मेद भवन' दुनिया के सबसे बड़े निजी महलों में से एक

जोधपुर | बिज़नेस रेमेडीज

उम्मैद भवन पैलेस राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित एक महल है। यह दुनिया के सबसे बड़े निजी महलों में से एक है। यह ताज होटल का ही एक अंग है। इसका नाम महाराजा उम्मैद सिंह के पौत्र ने दिया था जो वर्तमान में मालिक है। अभी वर्तमान समय में इस पैलेस में 347 कमरे है। इस उम्मैद भवन पैलेस को चित्तर पैलेस के नाम से भी पहले जाना जाता था जब इसका निर्माण कार्य चालू था। यह पैलेस 1943 में बनकर तैयार हुआ था। आजादी के बाद वर्ष 1978 में इसे होटल में बदल दिया गया। हालांकि आज भी इसके एक भाग में पूर्व नरेश का परिवार रहता है। जोधपुर के प्रसिद्ध चित्तर पत्थर से बना होने के कारण स्थानीय लोग इसे चित्तर पैलेस के नाम से भी जानते हैं। महल को तराशे गए बलुआ पत्थरों को जोड़कर बनाया गया है। मजे की बात यह है कि पत्थरों को बांधने के लिए किसी मसाले का उपयोग नहीं किया गया।

जब आप किसी राजसी किले की ऊंची दीवारों, बुर्ज और उसकी जटिल बनावट से रूबरू होते हैं, उसके झरोखों से बाहर दूर तक झांकते हैं और यह सुनते हैं कि राज्य की आन-बान-शान के लिए यहां के सैनिक दुश्मन सैनिकों से लड़ते हुए अपनी जान की कुर्बानी देने में जरा भी नहीं हिचके, तो आप निश्चित रूप से अपनी उस विरासत से मुलाकात करते हैं जो इतिहास के पन्नों में आज भी गर्व से जीवित है। इसके अलावा, जब आपको राजा-महाराजाओं के महल में उनके समय के जैसे ठाठ-बाट के साथ लगभग उसी माहौल में रहने का अवसर मिलता है, तो एकबारगी आपको ऐसा लग सकता है जैसे आप खुद वहां के महाराजा या फिर राजपरिवार के सदस्य हों। यह एहसास आपके लिए ताउम्र न भूलने वाला हो सकता है। और अगर मन में कहीं उनकी शानो-शौकत को महसूस करने की इच्छा है, तो महलों में रात गुजारिए। भले ही अब राजा-महाराजा और उनकी शानो-शौकत बरकरार न हो, लेकिन उनके रुतबे और शाही ठाट-बाट का अनुभव आज के समय में आप भी किलों और महलों में जाकर काफी हद तक हासिल कर सकते हैं। दरअसल, राजसी गौरव के प्रतीक कई किले और महल आज लक्जरी होटलों में तब्दील हो चुके हैं, जहां आधुनिक युग की तमाम सुख-सुविधाओं के साथ हेरिटेज फील को भी काफी हद तक संजोया गया है। पर्यटन के लिहाज से इन किलों और महलों की सैर काफी रोमांचकारी साबित हो सकती है। यहां पर रुकना एक राजसी एहसास और इतिहास के उन पलों में लौटने जैसा है।

वैभव का गवाह उम्मेद भवन

शाही समृद्ध विरासत और संस्कृति के धनी राजस्थान में राजसी महलों की शान अद्भुत है। जोधपुर का शाही महल उम्मेद भवन पैलेस हर राजसी परंपरा से आपका परिचय कराता है। इसके मालिक हैं महाराजा गज सिंह। उनके पिता महाराजा उम्मेद सिंह ने इसे बनवाया था। इसके संग्रहालय में राजसी हवाई जहाज के मॉडलों, हथियारों, प्राचीन वस्तुओं, घड़ियों, बॉब घड़ियों, बर्तनों, कटलरी, तस्वीरों और शिकार की ट्रॉफियां तक संजोयी गई हैं। आज यह महल बड़े बिजनेस घरानों की शाही शादियों और बॉलीवुड फिल्मों के लिए रॉयल डेस्टिनेशन है। वर्तमान में उम्मैद भवन पैलेस का मालिक गज सिंह है। इस पैलेस के तीन भाग है , एक लग्ज़री ताज होटल जो (1972) से है ,एक शाही परिवार के लिए तथा एक संग्रहालय है। संग्रहालय के खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 तक। यहाँ एक दीर्घा भी है जहाँ पर कई चीजें देखने को मिलती है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस को पहले स्काईट्रैक्स ऑडिट में मिली 4-स्टारवर्ल्ड एयरलाईन रेटिंग

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

एअर इंडिया एक्सप्रेस को अपने पहले व्यापक ऑडिट के बाद स्काईट्रैक्स से 4-स्टार वर्ल्ड एयरलाइन रेटिंग मिली है। यह रेटिंग पिछले साल के दौरान अपने मेहमानों को बेहतर अनुभव प्रदान करने की दिशा में की गई प्रगति की पुष्टि करती है।

स्काईट्रैक्स की वर्ल्ड एयरलाइन स्टार रेटिंग एविएशन उद्योग में गुणवत्ता की जांच के लिए सबसे पुरानी विश्वस्तरीय प्रणाली है तथा गुणवत्ता की उपलब्धि का प्रतिष्ठित एवं अनूठा प्रतीक है। एयरपोर्ट पर और उड़ान के दौरान एयरलाईन के मानकों के स्वतन्त्र एवं गहन मूल्यांकन के बाद यह रेटिंग दी जाती है, जिसके लिए एकीकृत एवं सतत ग्लोबल असेसमेन्ट फ्रेमवर्क का इस्तेमाल किया जाता है। 4-स्टार रेटिंग एक वैल्यू कैरियर के लिए सबसे बड़ी हासिल की जा सकने वाली पहचान है तथा एअर इंडिया एक्सप्रेस को भारत एवं पश्चिम एशिया में एयरलाइन्स के उस छोटे ग्रुप में शामिल करती है, जिन्हें यह सम्मान मिला है।

इस अवसर पर निपुण अग्रवाल, चेयरमैन, एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि हमारे पहले ही ऑडिट में 4-स्टार स्कायट्रैक्स वर्ल्ड एयरलाईन रेटिंग हासिल करना इस बात की पुष्टि करता है कि हमारी टीमों ने अपने मेहमानों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत की है। बहुत छोटी सी अवधि में हमने अनुशासन के साथ काम करते हुए अपने फ्लीट को आधुनिक और सर्विस डिलीवरी को सशक्त बनाया है तथा अपने वर्ग में वैल्यू कैरियर के रूप में एअर इंडिया को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है। मेहमानों से मिला फीडबैक, एनपीएस और सोशल मीडिया पर लोगों की राय इस बात की पुष्टि करती है कि हमारे प्रोडक्ट्स और सेवाएं नए भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ मेल खाते हैं- एक ऐसा भारत जो पसंद, आराम और विश्वसनीयता को महत्व देता है। यह पहचान मिलना अपने आप में प्रेरणादायी है, 4-स्टार रेटिंग मिलने के साथ हमारी यात्रा पूरी नहीं हो जाती। इसके बजाए यह उद्योग जगत में अपने मानकों को लगातार बेहतर बनाने तथा उच्च गुणवत्ता के अनुभव प्रदान करने के लिए मजबूत नींव की तरह काम करती है।''

स्कायट्रैक्स की वेबसाईट के अनुसार 4-स्टार रेटिंग उन एयरलाईन्स को दी जाती है जो बेहतरीन प्रोडक्ट्स और उत्कृष्ट सर्विस डिलीवरी के साथ उच्च गुणवत्ता का परफोर्मेन्स दें। एअर इंडिया एक्सप्रेस के मामले में स्कायट्रैक्स का कहना है कि ऑनबोर्ड एयरलाईन के प्रोडक्ट्स उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरते हैं, उन्हें एयरपोर्ट पर अच्छी सर्विस मिलती है और केबिन सर्विस भी पूरी तरह पेशेवर, प्रभावी एवं अच्छी तरह से प्रबंधित की जाती है। एअर इंडिया के रूपान्तरण का मुख्य आधार है- आधुनिक, ईंधन प्रभावी विमानों को अपने फ्लीट में शामिल करना। यही कारण है यह एयरलाइन एक छोटे स्तर के ऑपरेटर से आगे बढ़कर, रूट और स्टेशनों के मामले में भारत की दूसरी सबसे बड़ी डोमेस्टिक और शॉर्ट हॉल इंटरनेशनल एयरलाईन बन गई है। आज, एअर इंडिया एक्सप्रेस के फ्लीट में 100 से ज़्यादा विमान हैं, जिसमें से लगभग दो-तिहाई विमान नए हैं। साथ ही विमानों के इंटीरियर में नए बदलाव लाए गए हैं जिसमें आरामदायक सीटें, गर्म भोजन के लिए ओवन और सोच-समझकर चुनी गई ऑनबोर्ड सुविधाएँ शामिल हैं; इसके अलावा, सर्विस ट्रेनिंग और डिलीवरी में भी सुधार किए गए हैं।

पहले चार महीनों में राष्ट्रीय रेलवे प्रणाली में अचल संपत्ति निवेश 2 खरब युआन से अधिक

बीजिंग | एजेंसी

चीन राज्य रेलवे समूह के अनुसार इस वर्ष जनवरी से अप्रैल तक रेलवे निर्माण कार्य कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा। देशभर में रेलवे अचल संपत्ति निवेश 200.8 अरब युआन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.2 प्रतिशत अधिक है। इसने क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास को गति प्रदान करते हुए एक प्रभावी भूमिका निभाई है।

चीन राज्य रेलवे समूह के निर्माण विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष की शुरुआत से ही, चीन राज्य रेलवे समूह ने प्रमुख राष्ट्रीय रणनीतियों और क्षेत्रीय आर्थिक व सामाजिक विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है, राष्ट्रीय समर्थन नीतियों का पूरा लाभ उठाते हुए, वसंत ऋतु में निर्माण के सुनहरे अवसर का फायदा उठाते हुए, रेलवे की योजना और निर्माण में तेजी लाई है। उन्होंने कहा कि चीन राज्य रेलवे समूह ने सभी सहभागी इकाइयों को निर्माण संसाधनों के समन्वय, निर्माण संगठन के अनुकूलन, सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन को मजबूत करने और प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण में सकारात्मक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए संगठित किया। उन्होंने आगे कहा कि अगले चरण में, चीन राज्य रेलवे समूह '15वीं पंचवर्षीय योजना' में निर्धारित प्रमुख रेलवे निर्माण कार्यों को पूरी तरह से कार्यान्वित करेगा, वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से रेलवे नियोजन और निर्माण को बढ़ावा देगा, रेलवे नेटवर्क के पैमाने और गुणवत्ता में लगातार सुधार करेगा, विश्व स्तरीय आधुनिक रेलवे नेटवर्क के निर्माण में तेजी लाएगा और देश में उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मजबूत समर्थन प्रदान करेगा।

हेल्थ/लाइफस्टाइल/ एजुकेशन

राजस्थान विवि. एवं जयपुर डेयरी के मध्य हुआ महत्वपूर्ण एमओयू, राजस्थान विवि. परिसर में खुलेगा आधुनिक 'सरस पार्लर'

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

राजस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं सरस डेयरी के मध्य एक एमओयू सम्पन्न हुआ। इसके तहत जेएलएन मार्ग पर स्थित सरस पार्लर के समान विश्वविद्यालय परिसर में शीघ्र ही आधुनिक सरस पार्लर प्रारंभ किया जाएगा, जिससे हजारों छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, छात्रावासियों, विश्वविद्यालय स्टाफ एवं आगंतुकों को उच्च गुणवत्ता वाले शुद्ध एवं पौष्टिक डेयरी उत्पाद सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगे। पार्लर पर छाछ, लस्सी, दही, पनीर, श्रीखंड, फ्लेवर्ड मिल्क, कोल्ड कॉफी, आइसक्रीम सहित सरस के विभिन्न लोकप्रिय उत्पाद उचित दरों पर उपलब्ध रहेंगे।

कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि सरस पार्लर विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ, गुणवत्तायुक्त एवं पौष्टिक खाद्य उत्पादों का एक विश्वसनीय केंद्र साबित होगा तथा इससे परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के हित में लगातार नई सुविधाओं का विस्तार कर रहा है तथा यह पहल भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरस पार्लर से विद्यार्थियों को परिसर में ही गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनका समय भी बचेगा और उन्हें बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेगा ताकि विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं उचित दर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। पार्लर का संचालन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में सरस पार्लर खुलने से विद्यार्थियों को विश्वसनीय एवं पौष्टिक उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

उक्त सरस पार्लर में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इनमें केसर जलेबी, केसर हॉट कुल्हड़ मिल्क, पनीर पकौड़ा, समोसा, सॉफ्टी, मिल्क शेक, पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर, सरस बटर मसाला बन, पनीर स्टफ्ड पराठा, पनीर टिक्का, दक्षिण भारतीय व्यंजन, छोले भटूरे, मिनी मील एवं अन्य खाद्य सामग्री भी उचित दर पर उपलब्ध करायी जायेगी। शिक्षण संस्थानों में सरस पार्लरों की स्थापना से युवाओं में पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के उद्देश्य को भी मजबूती मिलेगी। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में आमजन एवं युवाओं तक शुद्ध, पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद पहुंचाना है।

जयपुर डेयरी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा, रजिस्ट्रार आशु चौधरी, वित्त अधिकारी मंजू चौधरी, राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज एवं जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार की उपस्थिति में समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार आशु चौधरी एवं जयपुर डेयरी की ओर से प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

नीट परीक्षा विश्वसनीय और पारदर्शी होनी चाहिए : नितिन कुकरेजा

कोटा | बिज़नेस रेमेडीज

नीट परीक्षा रद्द होने पर एलन करियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। किसी भी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए पारदर्शिता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि ऐसी घटनाएं लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों के विश्वास को प्रभावित करती हैं।

NEET परीक्षा रद्द होने की स्थिति में दोबारा परीक्षा का सामना कर रहे विद्यार्थियों के साथ ALLEN पूरी मजबूती से खड़ा है। हम समझते हैं कि यह समय छात्रों के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में विद्यार्थियों को सभी तरह की अफवाहों, भ्रम और अनावश्यक बातों से दूर रहकर पूरी सकारात्मकता के साथ अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह समय निराश होने का नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के अवसर के रूप में देखने का है।

एलन करियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा

विद्यार्थियों की तैयारी प्रभावित न हो, उनका आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए ALLEN हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करेगा।

नितिन कुकरेजा ने कहा कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों को रोकने के लिए मजबूत और तकनीक आधारित सिस्टम अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि जेईई की तरह नीट परीक्षा भी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में आयोजित की जानी चाहिए, जिससे पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों की संभावनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि नीट परीक्षा को भी जेईई की तर्ज पर दो चरणों मेंस और एडवांस की तरह आयोजित किया जा सकता है। जिस प्रकार जेईई मेन दो सत्रों में आयोजित होती है, उसी तरह नीट में भी यह व्यवस्था लागू करने से विद्यार्थियों में परीक्षा का तनाव कम होगा और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। उनके अनुसार, इससे अभ्यर्थियों की शैक्षणिक क्षमता का बेहतर मूल्यांकन हो सकेगा और योग्य एवं मेहनती छात्रों को देश के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने का अधिक निष्पक्ष अवसर मिलेगा। साथ ही, पूरी प्रवेश प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बन सकेगी।

अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने हंतावायरस के लिए पूरी तैयारी करने का आव्हान किया

अदीस अबाबा | एजेंसी

अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्वास्थ्य अधिकारियों और आम जनता से सतर्क रहने और हंतावायरस निगरानी उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया है। जबकि अफ्रीका में इस बीमारी के प्रकोप को जन स्वास्थ्य के लिए कम जोखिम वाला माना जा रहा है।

एक संयुक्त तकनीकी ब्रीफिंग के दौरान, अफ्रीका सीडीसी में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया प्रभाग के प्रमुख याप बौम ॥ ने निगरानी को मजबूत करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के प्रयासों का आह्वान किया, हालांकि पूरे महाद्वीप में हंतावायरस के कोई मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हंतावायरस की रोकथाम साधारण दैनिक कार्यों से शुरू होती है और शीघ्र पता लगाने और चिकित्सा सहायता के महत्व को रेखांकित करते हुए, स्वास्थ्य अधिकारियों और जनता से बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षणों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, हालांकि अफ्रीका में इस बीमारी के प्रकोप से जुड़ा समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम बना हुआ है, लेकिन हाल की घटनाओं से सतर्कता, शीघ्र पता लगाने और प्रभावी जोखिम संचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका क्षेत्रीय कार्यालय में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया की निदेशक मैरी-रोसेलिन बेलीज़ेयर ने कहा कि हालांकि वर्तमान वैश्विक जोखिम आकलन कम बना हुआ है, लेकिन यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि देश तैयार रहे।

कथावाचक इंद्रेश कुमार ने मोशन एजुकेशन के विद्यार्थियों को प्रेरित किया

कोटा | बिज़नेस रेमेडीज

शिक्षा नगरी कोटा में बुधवार को अध्यात्म, प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध युवा कथावाचक इंद्रेश कुमार महाराज ने मोशन एजुकेशन के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ प्रयास करना सबसे जरूरी है। यदि इंसान अपना सौ प्रतिशत देता है तो उसे उसका फल जरूर मिलता है। अगर कभी मनचाहा परिणाम नहीं मिले तो यह समझ लेना चाहिए कि ईश्वर ने कुछ और बेहतर तय कर रखा है।

मोशन एजुकेशन की ओर से कॉमर्स कॉलेज परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में दस हजार से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम में मोशन एजुकेशन के चेयरमैन सुरेंद्र विजय, डायरेक्टर सुशीला विजय, फाउंडर और एजुकेटर नितिन विजय, डॉ. स्वाति विजय, ज्वाइंट डायरेक्टर रामरतन द्विवेदी और अमित वर्मा सहित संस्थान के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इंद्रेश कुमार महाराज का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत भजनों और आध्यात्मिक प्रस्तुति से हुई। इंद्रेश कुमार महाराज और उनकी मंडली ने अपने मधुर भजनों से ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। अपने संबोधन में इंद्रेश कुमार महाराज ने कहा कि आज का युवा जीवन में बहुत कुछ हासिल करना चाहता है। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई पायलट तो कोई प्रशासनिक अधिकारी। सपने देखना अच्छी बात है, लेकिन उन सपनों को पाने के लिए पूरी निष्ठा से मेहनत करना सबसे जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अक्सर लोग सोचते हैं कि जब कुछ बन जाएंगे तब खुश रहेंगे, जबकि सच यह है कि खुश रहने के लिए किसी पद या सफलता जरूरी नहीं है। इंसान हर परिस्थिति में खुश रहना सीख सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता की दौड़ में अपनी आंतरिक शांति और खुशी को कभी नहीं खोना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि आज वे लोगों को नहीं, बल्कि ईश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं और इसी में उन्हें सच्चा आनंद मिलता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उनसे कई सवाल भी पूछे। एक छात्र ने पूछा कि मन को नियंत्रित कैसे किया जाए। इस पर इंद्रेश कुमार महाराज ने बेहद सरल शब्दों में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मन को काबू में करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उसकी हर इच्छा तुरंत पूरी न की जाए। यदि इंसान मन की हर बात मानता रहेगा तो मन उस पर हावी हो जाएगा। लेकिन यदि मन को अनुशासन में रखा जाए तो व्यक्ति खुद पर नियंत्रण हासिल कर सकता है।

सोनी का नया ब्राविया 3II अब एक्सआर प्रोसेसर और 120Hz डिस्प्ले के साथ पेश

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

सोनी इंडिया ने ब्राविया 3II के लॉन्च का ऐलान किया है। इस नए मॉडल के साथ कंपनी घरेलू मनोरंजन के अनुभव को नया अंदाज देने जा रही है। सोनी ने अपनी प्रीमियम टेलीविजन रेंज के एडवांस्ड एआई एक्सआर प्रोसेसर™ की ताकत को अब भारत के ज्यादा से ज्यादा घरों तक पहुंचाया है। इस अपग्रेड के साथ इंटेलिजेंट पिक्चर प्रोसेसिंग अब टीवी देखने के अनुभव के केंद्र में आ गई है। ब्राविया का एआई एक्सआर प्रोसेसर™ कंटेंट का विश्लेषण उसी तरह करता है जैसे इंसान देखते और सुनते हैं, जिससे बेहद वास्तविक इमेज मिलती है, बेहतर डेप्थ, कंट्रास्ट, कलर और क्लैरिटी के साथ। एक्सआर ट्रिलुमिनोस प्रोइ, डॉल्बी विजन®, डॉल्बी एटमॉस®, DTS:X® और 4K 120Hz परफॉर्मेंस के साथ ब्राविया 3II सिनेमैटिक पिक्चर, शानदार साउंड और रिस्पॉन्सिव गेमिंग का बेहतरीन संयोजन प्रदान करता है, जो घर पर एक बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देता है। सोनी इंडिया नई ब्राविया 3II सीरीज को विभिन्न स्क्रीन साइज में लॉन्च करने जा रहा है। सबसे पहले 55 इंच और 65 इंच मॉडल लॉन्च किए जाएंगे, इसके बाद बड़े साइज के मॉडल आएंगे। 100 इंच का ब्राविया 3II व्यापक और शानदार व्यूइंग अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है।

टाटा अल्ट्रोज़ आईसीएनजी में अब मिलेगा ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन

अल्ट्रोज़ आईसीएनजी में एएमटी जोड़ने का उद्देश्य सीएनजी वाहनों में बढ़ती सुविधा की जरूरत को पूरा करना है

नई आईसीएनजी ट्विन-सिलेंडर तकनीक के साथ मिलेगा बेहतर बूट स्पेस

मुंबई | बीआर न्यूज नेटवर्क

businessremedies.com

भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों में से एक, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) ने आज अपनी प्रीमियम हैचबैक टाटा अल्ट्रोज़ आईसीएनजी (iCNG) में एएमटी (ऑटोमैटेड मैनुअल ट्रांसमिशन) की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ अल्ट्रोज़ आईसीएनजी अब भारत की पहली और एकमात्र प्रीमियम हैचबैक बन गई है, जो सीएनजी पावरट्रेन के साथ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प देती है। नई अल्ट्रोज़ आईसीएनजी एएमटी की शुरुआती कीमत 8.69 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। यह लॉन्च कंपनी के 'फील स्पेशल' ब्रांड प्रपोज़िशन को और मजबूत करता है, जिसमें सीएनजी की बेहतर माइलेज और ऑटोमैटिक ड्राइविंग की सुविधा एक साथ मिलती है, साथ ही इस सेगमेंट में सबसे व्यापक मल्टी-पावरट्रेन लाइन-अप की पेशकश भी जारी रखता है।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने लॉन्च पर कहा, 'टाटा अल्ट्रोज़ ने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में डिजाइन, सुरक्षा और पावरट्रेन विकल्पों के मामले में लगातार नए मानक स्थापित किए हैं। भारत में सीएनजी एक तेजी से बढ़ता हुआ ईंधन विकल्प बन गया है, जिसकी हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में 19% और वित्त वर्ष 26 में 22% तक पहुंच चुकी है, और यह वृद्धि अब सिर्फ पारंपरिक बाजारों तक सीमित नहीं है, बल्कि नए क्षेत्र भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अल्ट्रोज़ आईसीएनजी में एएमटी जोड़ने का उद्देश्य सीएनजी वाहनों में बढ़ती सुविधा की जरूरत को पूरा करना है।

अल्ट्रोज़ आईसीएनजी एएमटी के बारे में

टाटा अल्ट्रोज़ आईसीएनजी में 1.2 लीटर रेवोट्रॉन आईसीएनजी इंजन दिया गया है, जो सीएनजी मोड में 73.5 पीएस पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें पहली बार एएमटी ट्रांसमिशन जोड़ा गया है, जिससे ड्राइविंग और भी आसान और आरामदायक हो जाती है, खासकर शहर के ट्रैफिक में। इसकी आईसीएनजी तकनीक में एक एडवांस्ड सिंगल ईसीयू सिस्टम है, जो पेट्रोल और सीएनजी मोड के बीच स्मूद और बिना झटके के स्विच करने में मदद करता है। इसके अलावा सेगमेंट में पहली बार सीएनजी मोड में डायरेक्ट स्टार्ट की सुविधा भी दी गई है, जिससे सुविधा और बढ़ जाती है और ढलानों पर तथा लंबी दूरी की यात्रा में भी लगातार बेहतर परफॉर्मेंस मिलती है। कंपनी की ट्विन-सिलेंडर आईसीएनजी तकनीक में सिलेंडर को बूट स्पेस के नीचे इस तरह फिट किया गया है कि सामान रखने की जगह पर कोई खास असर नहीं पड़ता। इस वजह से सीएनजी मोड में भी 210 लीटर का उपयोगी बूट स्पेस मिलता है, जबकि पेट्रोल और डीज़ल वेरिएंट में यह 345 लीटर तक होता है।

प्रीमियम डिजाइन एवं कंफर्ट

टाटा अल्ट्रोज़ आईसीएनजी एएमटी ऑल-न्यू अल्ट्रोज़ की प्रीमियम डिजाइन भाषा को आगे बढ़ाती है। इसमें फ्लश डोर हैंडल, कनेक्टेड इंफिनिटी एलईडी टेल लैंप और डीआरएलएस के साथ स्टाइलिश एलईडी हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे मॉडर्न और अपमार्केट लुक देते हैं। अंदर की तरफ केबिन को आराम और बेहतर इन-कार एक्सपीरियंस के लिए डिजाइन किया गया है।

बेमिसाल सुरक्षा

टाटा अल्ट्रोज़ को एएलएफए आर्किटेक्चर और अल्ट्रा-हाई-स्ट्रेंथ स्टील पर बनाया गया है, जिससे यह भारत की सबसे सुरक्षित हैचबैक मानी जाती है। इसे पेट्रोल, डीज़ल और सीएनजी सभी वेरिएंट्स में 5-स्टार भारत एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग मिली है। कार में स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग, ईएसपी, आईएसओफआईएक्स चाइल्ड सीट माउंट और रिवर्स पार्किंग सेंसर दिए गए हैं। इसके अलावा इसमें 360-डिग्री एचडी सराउंड व्यू सिस्टम, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), ऑटो हेडलैंप और एलईडी फॉग लैंप जैसे एडवांस सेफ्टी फीचर्स भी शामिल हैं।

motorola razr fold स्मार्टफोन हुआ लॉन्च

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की अग्रणी कंपनी और भारत के नंबर 1 एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन motorola razr fold लॉन्च किया। यह फोन काम और मौज-मस्ती को नए अंदाज़ में पेश करता है और यूज़र्स बिना किसी रुकावट के काम कर सकते हैं, कुछ नया बना सकते हैं और एक साथ कई काम कर सकते हैं। इस डिवाइस में दुनिया का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे इमेजिंग की बेहतरीन क्वालिटी के लिए DXOMARK गोल्ड लेबल मिला है। इसमें दुनिया का एकमात्र ट्रिपल 50MP प्रो-ग्रेड फोल्डेबल कैमरा सिस्टम है, जो एडवांस्ड सोनी LYTIA™ 828 और सोनी LYTIA™ 600 कैमरे पर आधारित है और मोटो एआई से लैस है। यह फ्लैगशिप-स्तर की स्पष्टता, सिनेमाई डायनेमिक रेंज, एकदम असली रंग, तेज़ शेडो, कम ग्रेन, ब्लर-फ्री शॉट्स, पैंटोन™ वैलिडेटेड टू कलर्स और स्किनटोन सटीकता देता है। साथ ही मोटो एआई वीडियो एन्हांसमेंट इंजन के साथ 8K डॉल्बी विजन® रिकॉर्डिंग की सुविधा है, जिसमें इंडस्ट्री-फर्स्ट ड्यूल टोन मैपिंग इंजन है और सभी लेंस से 60fps तक 4K डॉल्बी विजन® रिकॉर्डिंग भी मिलती है।

6,000mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, 80W टर्बोपावर चार्जिंग और 50W वायरलेस चार्जिंग के साथ मोटोरोला रेज़र फोल्ड में शानदार 165Hz LTPO एक्सटर्नल डिस्प्ले और इमर्सिव 2K मेन डिस्प्ले भी है। स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 प्रोसेसर से पावर्ड यह फोन एडवांस्ड ऑन-डिवाइस एआई प्रोसेसिंग से इमेजिंग को और भी बेहतर बनाता है। पैंटोन™ क्यूरेटेड रंगों में डायमंड पीके-इंस्पायर्ड फिनिश और साटिन लक्से-इंस्पायर्ड फिनिश तथा IP48 और IP49 ड्यूरेबिलिटी के साथ motorola razr fold एक सच्चा प्रीमियम और बेजोड़ स्मार्टफोन अनुभव देता है। motorola razr fold इमेजिंग में एक नया मानक स्थापित करता है। इसे इमेजिंग की बेहतरीन क्वालिटी के लिए DXOMARK गोल्ड लेबल मिला है, जिसकी बुनियाद मोटो एआई से पावर्ड एडवांस्ड 50MP सोनी LYTIA™ 828 कैमरा और 8K डॉल्बी विजन® रिकॉर्डिंग है।

विविध

लॉजिस्टक प्रदर्शन रैंकिंग में तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और मिजोरम अव्वल

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मिजोरम और दिल्ली को 2025 के लिए लॉजिस्टिक प्रदर्शन रैंकिंग में 'उत्कृष्ट' श्रेणी में रखा गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। लीड्स (विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक सुगमता) 2025 रिपोर्ट के अंतर्गत जारी लॉजिस्टिक सूचकांक चार्ट, निर्यात और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक सेवाओं की दक्षता को बताता है। रिपोर्ट के अनुसार, 'उत्कृष्ट' श्रेणी उन शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दर्शाता है जो लॉजिस्टिक क्षेत्र में नीति, बुनियादी ढांचा, सेवा वितरण और नियामक आयामों में निरंतर बेहतरीन प्रदर्शित करते हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) का लीड्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लॉजिस्टिक प्रदर्शन का प्रमुख राष्ट्रीय मूल्यांकन है। यह देश भर में लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण मानक और सुधार उपाय के रूप में कार्य करता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां यह रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों... गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, बिहार, त्रिपुरा, मेघालय, जम्मू- कश्मीर तथा पुडुचेरीज को 'उच्च प्रदर्शन करने वाले' श्रेणी में रखा गया है। उच्च प्रदर्शन करने वाले उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कहते हैं जो अधिकांश प्रदर्शन संकेतकों में मजबूत और निरंतर परिणाम प्रदर्शित करते हैं। इसी प्रकार, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 'उत्प्रेरक' श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी में आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गोवा, कर्नाटक, पंजाब, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम, दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव, चंडीगढ़, लद्दाख और लक्षद्वीप शामिल हैं।

पतंजलि का बड़ा शोधः दालचीनी में छिपा है मधुमेह नियंत्रण का प्राकृतिक सूत्र, अमेरिकी जर्नल ने स्वीकारा

पतंजलि के वैज्ञानिकों के शोध को अमेरिकी जर्नल 'एल्सवियर' ने लगाई मुहर

वर्षों से ऋषि-मुनि दालचीनी के गुणों को दुनिया को बताते रहे हैं

मानव जीवन की गंभीर बीमारियों में प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करना हमारा उद्देश्यः आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि

हरिद्वार | बिजनेस रेमेडीज

पतंजलि के वैज्ञानिकों की दिन-रात की मेहनत एक बार फिर वैश्विक स्तर पर चमक बिखेर रही है। पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से दालचीनी को लेकर किए जा रहे अनुसंधान को अमेरिका के प्रसिद्ध जर्नल एल्सवियर के फूड रिसर्च इंटरनेशनल ने न केवल स्वीकार किया है अपितु इस बात पर भी मुहर लगा दी है कि दालचीनी में मिलने वाले जैव सक्रिय तत्व से मधुमेह जैसी गंभीर बीमारी को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

यह शोध वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद को जहां बड़ा बल देती है, वहीं, मधुमेह के इलाज में दालचीनी की भूमिका को लेकर इलाज के नये आयाम खोल देती है। हजारों साल पहले से ऋषि कहते आ रहे हैं कि- 'उक्ता दारुसिता स्वाद्वी तिक्ता चानिलपित्तहृत्। सुरभिः शुक्रला बल्या मुखशोषतृषापहा।। (भा.प्र.नि. कर्पूरादिवर्ग 66-67)'

यानि दालचीनी वायु व पित्त का हरण करके शुक्र और बल के रूप

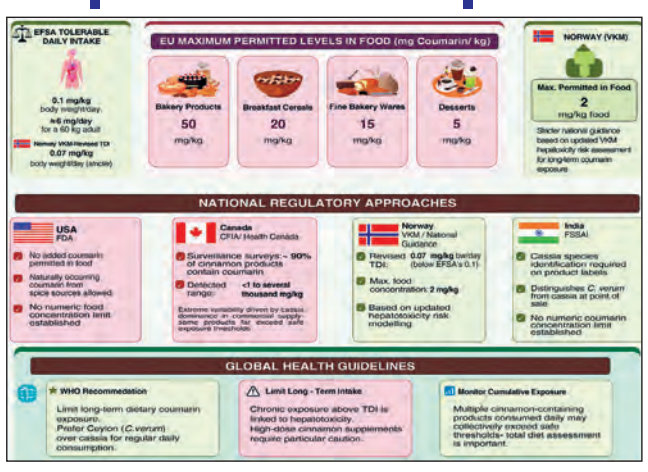

को बढ़ाने वाला होता है। वैसे भी हम दालचीनी के गुणों को वर्षों से जानते और समझते आ रहे हैं लेकिन जो पतंजलि के वैज्ञानिकों के पुरुषार्थ से वैश्विक स्तर पर निकलकर सामने आया है और जिसे विज्ञान ने अब मान्यता दे दी है, वह आयुर्वेद में मील का पत्थर साबित होगा। दरअसल, दालचीनी को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिक लंबे समय से अनुसंधान कर रहे थे। अनुसंधान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी प्रमाणिक तथ्यों को अमेरिका के प्रसिद्ध जर्नल 'एल्सवियर' के फूड रिसर्च इंटरनेशनल को भेजा गया। जहां उन्होंने न केवल पतंजलि के रिसर्च को स्वीकार किया बल्कि उस तथ्य को भी माना, जिसमें पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अपने रिसर्च में दालचीनी से मधुमेह नियंत्रण की बात कही। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ने दालचीनी के जैव सक्रिय तत्वों (बायो एवैलेबिलिटी) व मधुमेह के नियंत्रण में उसकी भूमिका (हाइपोग्लाइसेमिक) व विभिन्न खाद्य पदार्थों के साथ प्रयोग करने पर उसकी प्रभावशीलता के संदर्भ में पतंजलि की ओर से किए गए अनुसंधान को स्वीकार किया है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने दालचीनी के विविध खाद्यान्न के साथ व स्वतंत्र व सुरक्षित उपयोग से संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण किया गया। जिसका प्रथम बार विश्व के प्रसिद्ध जर्नल ने स्वीकार किया। बता दें कि फूड रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल खाद्य विज्ञान और पोषण के क्षेत्र की विश्व स्तर की प्रतिष्ठित शोध पत्रिका है। इसमें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पोषण, जैव सक्रिय तत्व, स्वास्थ्य प्रभाव और खाद्य तकनीक से जुड़े शोध प्रकाशित होते हैं। इस जर्नल में शोध प्रकाशित होना वैज्ञानिक समुदाय में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है क्योंकि यहां प्रकाशित शोध कठोर रिव्यू प्रक्रिया से गुजरते हैं।

'हमारा उद्देश्य केवल शोध करना नहीं, बल्कि ऐसे परिणाम देना है जो मानव जीवन की गंभीर बीमारियों में प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत कर सकें। दालचीनी पर यह अध्ययन उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। प्रकृति में ही स्वास्थ्य का संपूर्ण समाधान निहित है, और आयुर्वेद उसी प्रकृति के नियमों को विज्ञान की भाषा में प्रस्तुत करता है। दालचीनी पर हुआ यह शोध उसी सत्य को पुनः स्थापित करता है।

आचार्य बालकृष्ण, महामंत्री, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार

भारत में 'फाउंडर' प्रोफाइल्स में 104% की वृद्धि, एआई ने बढ़ाया 'पोर्टफोलियो कॅरियर्स' का चलन

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारत वैश्विक स्तर पर उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) कैसे विकसित हो रही है, इसका एक प्रमुख संकेतक बनकर उभर रहा है। लिंक्डइन के डेटा के अनुसार, भारत में अपने प्रोफाइल में 'फाउंडर' जोड़ने वाले सदस्यों में साल-दर-साल 104% की वृद्धि हुई है, जो सभी बाजारों में सबसे अधिक है। साथ ही उद्यमिता की गतिविधियों और महत्वाकांक्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। यह नई पीढ़ी के उद्यमी तब उभर रहे हैं जब एआई पारंपरिक बाधाओं को कम कर रहा है, करियर की प्राथमिकताएं बदल रही हैं और सफलता की परिभाषा विकसित हो रही है।

जेन ज़ी अधिक लचीले कामकाजी तरीकों की ओर बढ़त बना रहा है, जिसमें चार में से तीन (75%) जेन ज़ी उद्यमियों के पास कमाई के कई जरिए हैं, जबकि जेन एक्स में यह आंकड़ा 62% है। इससे पोर्टफोलियो कॅरियर की ओर बदलाव साफ दिखता है, जो मजबूती बढ़ाने और काम व आय पर अधिक नियंत्रण रखने के लिए तैयार किया जाता है। एआई उद्यमिता के द्वार खोल रहा है- एआई और डिजिटल टूल्स की वजह से अब बिजनेस शुरू करना बहुत आसान हो गया है। इसने भारी खर्च, पहचान न होने या अनुभव की कमी जैसी पुरानी मुश्किलों को खत्म कर दिया है। भारत में 80% फाउंडर्स का कहना है कि आज कोई भी व्यक्ति उद्यमी बन सकता है, चाहे वह किसी भी बैकग्राउंड से हो। साथ ही, 81% का मानना है कि आज के दौर में सफल बिजनेस बनाना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा मुमकिन है। युवा उद्यमी इस बदलाव को आगे बढ़ा रहे हैं। जेन ज़ी उद्यमियों में 85% का कहना है कि उनके व्यवसाय के लिए एआई और डिजिटल टूल्स महत्वपूर्ण हैं तथा कई इसे अपना व्यवसाय शुरू करना संभव बनाने का श्रेय देते हैं।

समान प्रेरणाएं, एक नया दृष्टिकोण- जहां वित्तीय स्वतंत्रता जैसी प्रेरणाएं पीढ़ियों से चली आ रही हैं, वहीं युवा उद्यमी अब सफलता को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। भारत में जेन ज़ी के लिए सफलता का अर्थ है: स्वतंत्रता और लचीलापन (64%), व्यक्तिगत विकास (56%) और वित्तीय संपन्नता (55%), और वे इसे हासिल करने के लिए जोखिम उठाने के लिए अधिक तैयार हैं।

पीएल प्राइवेट वेल्थ ने भारतीय बाजारों पर लंबी अवधि में सकारात्मक दृष्टिकोण बरकरार रखा

मुंबई | बिजनेस रेमेडीज

पीएल प्राइवेट वेल्थ ने अपनी नई मार्केट आउटलुक - मई 2026 रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय शेयर बाजार ने अप्रैल में मजबूत रिकवरी के बाद मई की शुरुआत की। इस रिकवरी को मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति, अमेरिका और ईरान के बीच अल्पकालिक समझौते से कम हुए भू-राजनीतिक जोखिम और वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कमाई सीजन की अच्छी शुरुआत का सहारा मिला। हालांकि, रिबाउंड के बावजूद बाजार अभी भी बहुत सतर्क है और तेल की कीमतों के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है।

आउटलुक के बारे में पीएल वेल्थ के सीईओ इंदरबीर जॉली ने कहा, 'वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कभी-कभी होने वाली अस्थिरता के बावजूद, भारतीय इक्विटी बाजारों ने अपनी मजबूती दिखाई है। हालांकि निकट भविष्य में बाजार की दिशा कुछ घटनाओं पर निर्भर कर सकती है, लेकिन मध्यम से लंबी अवधि में भारत की मूल संरचनात्मक विकास कहानी मजबूत बनी हुई है। घरेलू खपत, मैन्युफैक्चरिंग वृद्धि, इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश और बचत को वित्तीय परिसंपत्तियों में लगाए जाने से यह मजबूती आ रही है।

वर्तमान स्थिति में निवेशक के लिए सबसे अच्छी रणनीति होगी कि वे अनुशासित संपदा आवंटन बनाए रखें, उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों पर फोकस करें और निवेश को चरणबद्ध तरीके से करें।' रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक ऊंचे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, बढ़ते तेल दाम और मजबूत डॉलर के बावजूद बिकवाली करते रहे। लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों और रिटेल निवेशकों की खरीदारी ने बिकवाली का दबाव नहीं बढ़ने दिया। इससे भारतीय बाजार में चल रहा संरचनात्मक बदलाव और मजबूत हुआ, जिसमें स्थानीय तरलता अब बाजार की मुख्य स्थिरता बन गई है। महीने के दौरान सेक्टर लीडरशिप मुख्य रूप से घरेलू चक्रीय सेक्टर्स के पास रही, जैसे रियल एस्टेट, कैपिटल गुड्स, पावर, इंडस्ट्रियल्स और यूटिलिटीज। इसका कारण यह है कि घरेलू अर्थव्यवस्था में इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, मैन्युफैक्चरिंग गतिविधि और कैपिटल एक्सपेंडिचर लगातार बढ़ने की उम्मीद है। इसके विपरीत आईटी स्टॉक्स कमजोर रहे क्योंकि वैश्विक मांग और टेक खर्च दोनों ही कमजोर थे।

प्रकाशक एवं मुद्रक पुनीत जैन द्वारा सिंघवी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर नं.11, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित एवं 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : पुनीत जैन मो. 9929106227, आर.एन.आई नं.: RAJHIN/2013/54166· पोस्टल रजि. नं. जयपुर सिटी/006/2024-26, E-Mail: remediesbusiness@gmail.com